www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 105 I नर्मदापुरम, शनिवार 12 जुलाई 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

मूंग उपार्जन केंद्र झिरमटा में किसानों को हो रही परेशानी, प्रशासन ने मामला सुलझाया पृष्ठ 2

बाढ़ क्यों स्थायी समस्या बन गई है? महाराष्ट्र : एक बार फिर से दहाड़ रहा है बाघ पृष्ठ 4

खाद संकट: आक्रोशित किसानों ने कर दिया चक्काजाम पृष्ठ 6

कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के साथ होगी माकूल व्यवस्थाएं पृष्ठ 8

सार-समाचार

गुजरात पुल हादसे में मरने वालों की संख्या 21 पहुंची

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुराने पुल के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। शुक्रवार को एक घायल की अस्पताल में मौत हुई। मरने वालों का आंकड़ा 20 हो गया है। एक शख्स की तलाश में एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीमें जुटी हैं। वडोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने कहा कि नदी में गिरे एक टैंकर में सल्फ्यूरिक एसिड भरा था। ऐसे में पता लगाया जा रहा है कि उसमें से कोई रिसाव तो नही है। वहीं पानी सोडा ऐश (सोडियम कार्बोनेट) होने के कारण रेस्क्यू टीम को जलन और खुजली हो रही है। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई है।

तेलंगाना भाजपा विधायक राजा सिंह का इस्तीफा स्वीकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने तेलंगाना में गोशामहल सीट से विधायक राजा सिंह लोध का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने अधिसूचना जारी करके बताया कि पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने उनके पार्टी से इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

जेपीसी की बैठक में पूर्व प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने दिया सुझाव

चुनाव आयोग को नहीं दे सकते बेलगाम ताकत

संसदीय समिति को चुनावों के संचालन पर निगरानी तंत्र बनाने पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक देश-एक चुनाव के लिए 129 वें संशोधन बिल पर संयुक्त संसदीय कमेटी की बैठक शुक्रवार को संसद भवन में हुई। इस बैठक में पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जगदीश सिंह खेहर ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने बैठक के दौरान अपनी बातें भी रखी।

दोनों पूर्व सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के चुनाव आयोग को एक राष्ट्र एक चुनाव प्रणाली को लागू करने में अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जानी चाहिए। इससे पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने भी प्रस्तावित संविधान संशोधन कानून में चुनाव निकाय को दी गई 'व्यापक शक्तियों' पर सवाल उठाया था। डीवाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर ने संसदीय समिति को सुझाव दिया कि चुनावों के संचालन पर एक निगरानी तंत्र होना चाहिए।

संसद की निगरानी जरूरी

सूत्रों के अनुसार, बैठक में वरिष्ठ कानून विदों ने नए बिल में चुनाव आयोग को मिलने वाली अतिरिक्त शक्तियों पर गहन समीक्षा और संसद की निगरानी को जरूरी बताया है। उदाहरण देते हुए सुझाव दिया गया कि अगर किसी कारणवश लोकसभा के साथ किसी राज्य का चुनाव नहीं होता है, तो उस स्थिति में चुनाव कब तक कराना अनिवार्य होगा, यह कानून में स्पष्ट होना चाहिए। यह फैसला चुनाव आयोग की मर्जी पर नहीं छोड़ा जा सकता। साथ ही चुनाव में देरी के मामलों में केवल चुनाव आयोग का फैसला न हो, बल्कि संसद की भी निगरानी और अधिकार सुनिश्चित हों।

निर्वाचित सरकार का 5 साल का कार्यकाल जरूरी

न्यायाधीशों में से एक ने यह भी कहा कि निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल सुशासन के लिए महत्वपूर्ण है। इसे (पांच साल के कार्यकाल को) किसी भी परिस्थिति में कम नहीं किया जाना चाहिए। संविधान (एक सौ उनतीस वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संसद की संयुक्त समिति जांच कर रही है। बता दें कि देश के दो अन्य पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित और रंजन गोगोई भी समिति के समक्ष उपस्थित हो चुके हैं। हालांकि दोनों ने एक साथ चुनावों की संवैधानिकता पर सवाल नहीं उठाया, लेकिन उन्होंने विधेयक के कुछ पहलुओं पर सवाल उठाए और सुझाव दिए थे। भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति, विधेयक पर अपनी सिफारिशें तैयार करने के लिए न्यायविदों और कानूनी विशेषज्ञों से बात कर रही है, जिसका उद्देश्य राज्यों में विधानसभाओं और संसद के चुनाव एक साथ कराना है।

इंदौर में आयोजित मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने कहा- रियल स्टेट देश का सबसे अधिक प्रगतिशील क्षेत्र

30 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले

- 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित
- प्रदेश के सभी शहरों में आयोजित करेंगे ग्रोथ कॉन्क्लेव
- गिफ्ट सिटी के जैसे मध्यप्रदेश में भी 10 सिटी बनाएंगे
- प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किये जायेंगे
- शहरी विकास के लिये दी सौगातें

इंदौर/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रियल एस्टेट आज देश का सबसे अधिक प्रोगेसिव सेक्टर है और यह सेक्टर देश के नवनिर्माण में बड़ा सहयोग दे रहा है। रियल एस्टेट के विकास में ही देश का विकास अंतर्निहित है। हम इस सेक्टर को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश के सभी बड़े शहरों में इसी तरह की ग्रोथ कॉन्क्लेव करके और सबको घर मुहैया कराकर नागरिकों के जीवन में खुशहाली लायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रियल एस्टेट सेक्टर देश की जीडीपी में अब 8.5 प्रतिशत तक योगदान दे रहा है, जो कभी मात्र 3 प्रतिशत हुआ करता था। उन्होंने गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसी ही 10 स्मार्ट सिटीज़ मध्यप्रदेश में विकसित की जाएंगी। उन्होंने घोषणा की है कि प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सेक्टरों के लिए विशेष ग्रोथ कॉन्क्लेव आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति और नई दिशा मिलेगी।

प्रदेश के समग्र शहरी विकास और रियल एस्टेट सेक्टर को नई दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर स्थित ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में 'मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025' को संबोधित कर रहे थे। इस आयोजन में उद्योग, होटल, रियल एस्टेट, एजुकेशन, रिन्यूअल एनर्जी, आईटी आदि क्षेत्रों में लगभग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे प्रदेश में 15 हजार से अधिक रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे और शहरी एवं औद्योगिक विकास को नई ऊचाईयां प्राप्त होंगी। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के विकास के लिये 12 हजार 360 करोड़ रुपये की सौगातें भी दी।

निवेशकों से की रूबरू चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में प्रमुख निवेशकों से रु-ब-रु चर्चा की और निवेश की संभावनाओं पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया। डॉ. यादव ने मुख्य रूप से हुडको के अध्यक्ष संजय कुलश्रेष्ठ, पटेल इंफ्रा के अरविंद विदुलभाई पटेल, आईटीसी के आशीष पाल, एमकेसी इंफ्रा के केतन पटेल, ओमेक्स ग्रुप के मोहित गोयल, मेडुला सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के शांतनु शर्मा, राठी स्टील लिमिटेड के ध्रुव राठी, मध्यप्रदेश होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के सुमित सूरी, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की सुश्री प्रीति पटेल, डापलमायर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रफुल्ल चौधरी, साई ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड के रितेश दास से चर्चा की।

शहरी विकास को गति देने के लिये हुए महत्वपूर्ण एमओयू

शहरी प्रशासन के विविध घटकों को टेक्नॉलॉजी के माध्यम से इंटीग्रेट करके अधिक कार्यकुशल बनाने के लिए मध्यप्रदेश शासन और भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान के बीच महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। नगरीय विकास विभाग के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शहरी विकास कंपनी और हाउसिंग और शहरी विकास निगम लिमिटेड के मध्य समझौता निष्पादन हुआ। मध्यप्रदेश शासन और आईआईएम इंदौर के बीच सिंहस्थ 2028 की कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए एमओयू किया गया है।

यह निवेश प्रस्ताव मिले

कॉन्क्लेव में सर्वाधिक 12 हजार 473 करोड़ रुपये का निवेश औद्योगिक क्षेत्र में प्राप्त हुआ है। इसी तरह होटल क्षेत्र में 3 हजार 344 करोड़ रूपये, रियल एस्टेट क्षेत्र में 1812.14 करोड़ रुपये, एजुकेशन क्षेत्र में 72.45 करोड़ रूपये, रिन्यूअल एनर्जी क्षेत्र में 500 करोड़ रूपये तथा आईटी क्षेत्र में 100 करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इंदौर और भोपाल विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत 12 निवेशकों से 2 हजार 784 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। नगरीय निकायों को अधोसंरचना विकास के लिये एक हजार 320 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है।

पुणे की अदालत में मानहानि मामले पर दी सफाई

सावरकर पर बयान के लिए दोषी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सावरकर पर दिए बयान के लिए राहुल गांधी ने खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने साफ कहा कि मैं इस मामले में दोषी नहीं। पुणे की अदालत में शुक्रवार को मानहानि मामले की सुनवाई हुई यह मामला राहुल गांधी के एक पुराने बयान से जुड़ा है जो उन्होंने वीर सावरकर को लेकर दिया था। इस मामले की शिकायत सावरकर के परपोते सत्यकी सावरकर ने की थी। कोर्ट ने राहुल गांधी पर आरोप पढ़कर सुनाया।

राहुल गांधी की ओर से उनके वकील मिलिंद पवार पेश हुए और उन्होंने अदालत में बताया कि राहुल गांधी खुद को इस मामले में दोषी नहीं मानते। राहुल गांधी कोर्ट में मौजूद नहीं थे। सत्यकी सावरकर के वकील संग्राम कोल्हटकर ने बताया कि अब जब आरोप तय हो चुके हैं और राहुल गांधी की ओर से जवाब भी आ गया है, तो अगली प्रक्रिया यानी मुकदमे की बाकायदा सुनवाई शुरू होगी। वकील मिलिंद पवार ने अदालत में कहा कि राहुल गांधी खुद को इस आरोप में दोषी नहीं मानते। उन्होंने कोर्ट से अनुरोध किया कि इस आधार पर आगे की सुनवाई चलाई जाए। यह मामला अब सियासी और कानूनी दोनों रूप से काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें एक राष्ट्रीय नेता, स्वतंत्रता सेनानी सावरकर का नाम और मानहानि जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर बालाघाट में वन विभाग का दफ़्तर सील

बालाघाट, देशबन्धु। बीस साल पुराने एक मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद आज बालाघाट जिला मुख्यालय स्थित दक्षिण उत्पादन वनमंडल और मुख्य वन संरक्षक कार्यालय को सील कर दिया गया। आज सुबह कर्मचारी ड्यूटी पर पहुंचे, तो कार्यालय के बाहर न्यायालय का नोटिस चस्पा मिला और दरवाजे पर ताले लटके दिखे।

दरअसल, वर्ष 2005 में बालाघाट की इस इमारत में पश्चिम उत्पादन वनमंडल नामक कार्यालय था, जिसका वर्ष 2013 में बंद कर दक्षिण उत्पादन में विलय कर दिया गया। इस दौरान कल्पतरू एग्रो फार्म, कोलकाता नामक फर्म ने विभाग से बड़ी मात्रा में बांस की खरीदारी की थी। इसके लिए फर्म ने बकायदा भुगतान भी किया, लेकिन कार्यालय के बंद हो जाने के बाद वह बांस उठाव नहीं कर सका। समस्या तब खड़ी हुई जब फर्म द्वारा भुगतान की गई राशि विभाग ने वापस नहीं की। इस पर कल्पतरू एग्रो फार्म के संचालक ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने गत 20 जून 2025 को आदेश दिया कि वन विभाग फर्म को 1.20 करोड़ की राशि वापस करें। न्यायालय के आदेश के बाद भी विभाग ने भुगतान नहीं किया, जिस पर न्यायालय कार्यालय को सील करने का आदेश दिया। इसी आदेश के तहत आज विभागीय अधिकारियों ने दक्षिण उत्पादन एवं मुख्य वन संरक्षक कार्यालय कार्यालय पर ताले लगा दिए और नोटिस चस्पा कर दिया गया।

नोटों से भरे बैग के साथ राज्यमंत्री का वीडियो वायरल, राजनीति गरमाई

शिरसाट को एक दिन पहले ही मिला है आयकर का नोटिस

मुंबई, एजेंसी। फणनवीस सरकार में एकनाथ शिंदे शिवसेना के कोटे से राज्यमंत्री संजय शिरसाट का नोटो से भरे बैग के साथ वीडियो वायरल हुआ है। यह वीडियो शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने जारी किया है। जिससे महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई। इसके एक दिन पहले ही शिरसाट को आयकर विभाग ने एक नोटिस दिया है।

श्री राउत द्वारा आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए इस वीडियो में राज्य मंत्री शिरसाट अपने आवास पर भारी मात्रा में नगदी के साथ दिखाई दे रहे हैं। संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस वीडियो फुटेज पर ध्यान देने का आग्रह किया है। वीडियो में महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट एक बेडरूम में सिगरेट पीते हुए दिखाई दे रहे हैं, उनके बगल में नगदी से भरा एक सूटकेस रखा है। साथ ही एक और सूटकेस भी दिखाई दे रहा है। बगल में एक पालतू कुत्ता भी नजर आ रहा है। राउत ने मराठी में लिखा, यह रोचक वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को देखना चाहिए! देश में क्या हो रहा है! (महाराष्ट्र के एक मंत्री का यह वीडियो बहुत कुछ कहता है)।

रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र देंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। रोजगार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोजगार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। रोजगार मेले में शनिवार को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे मोदी यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय और अन्य विभागों तथा मंत्रालयों में शामिल होंगे।

आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा को भारत लाई सीबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) एक सफल अभियान में नारकोटिक्स मामले के वांछित अपराधी कुब्बावाला मुस्तफा को शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित कर भारत ले आई। सीबीआई ने बताया कि उसने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से कुब्बावाला मुस्तफा की वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है। कुब्बावाला मुस्तफा मुंबई पुलिस का वांछित अपराधी है।

तटरक्षक बल ने अमेरिकी नौका चालक दल को बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तटरक्षक बल ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तटीय क्षेत्र में फंसी अमेरिकी नौका 'सी एंजेल' में सवार चालक दल के दो सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह नौका इंदिरा पॉइंट से लगभग 52 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में फंसी थी। प्रतिकूल परिस्थितियों में इस नौका का पाल फट गया था। संकट की चेतावनी मिलने पर एमआरसीसी पोर्ट ब्लेयर ने आस-पास के सभी व्यापारिक पोतों को सतर्क कर बचाव प्रोटोकॉल शुरू कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर हमारी सफलता, भारत को नुकसान के दावे खोखले, सबूत हैं तो दिखाओ

चेन्नई, एजेंसी। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शुक्रवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पहली बार बयान दिया। उन्होंने अभियान की सफलता को लेकर खड़े किए जा रहे सवालों को सिरे से खारिज किया। विदेशी मीडिया को चुनौती दी कि अगर उनके पास भारत के नुकसान को लेकर कोई सबूत है तो उसे पेश करें। आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने ये बातें कही। अजित डोभाल ने कहा कि हमने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को चुनकर निशाना बनाया। ये सीमावर्ती इलाके नहीं थे, बल्कि वो जगहें थीं जहां हमें यकीन था कि आतंकी मौजूद हैं। हम एक भी लक्ष्य से चूके नहीं और कोई अन्य जगह को निशाने पर लिया नहीं। हमला पूरी तरह सटीक और पूर्व-निर्धारित जानकारी के आधार पर किया गया था। महज 23 मिनट में पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। इस दौरान भारतीय वायुसेना और सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर ऐसी सामरिक एकता दिखाई, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई। उन्होंने कहा कि विदेशी मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया और न ही यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। एनएसए ने कहा, 'विदेशी प्रेस कहता रहा कि पाकिस्तान ने ये कर दिया, वो कर दिया, लेकिन मुझे एक फोटो दिखाइए जिसमें भारत का नुकसान नजर आया हो, यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो।

हमसे कोई चूक नहीं हुई। हम उस पॉइंट तक सटीक थे जहां हमें पता था कि कौन कहां है।' उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि आप मुझे एक भी तस्वीर या सैटेलाइट इमेजरी दिखा दीजिए जिसमें भारत को कोई नुकसान हुआ हो, यहां तक कि किसी कांच की खिड़की तक को नुकसान पहुंचा हो। इस पूरे ऑपरेशन में भारतीय सेना की आधुनिक तकनीक और रणनीति ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि हम इस बात पर गर्व करते हैं कि इस ऑपरेशन में स्वदेशी और अत्याधुनिक सिस्टम जैसे ब्रह्मोस, एकीकृत एयर कंट्रोल और कमांड सिस्टम और बैटलफील्ड सर्विलांस की भूमिका निर्णायक रही। हमने उनकी पोजीशन का सटीक अनुमान लगाया और उस आधार पर हमला किया। डोभाल ने तंज कसते हुए कहा कि विदेशी मीडिया ने बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन क्या उनके पास कोई सबूत है? न्यूयॉर्क टाइम्स ने बहुत कुछ लिखा, लेकिन क्या उन्होंने एक भी वैध इमेज दिखाई जो भारत पर हुए नुकसान की पुष्टि करे?

हर बार रक्षा बंधन से पहले पिघलता हिमलिंग बना विवाद का मुद्दा

अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग पिघल गया

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 जुलाई (देशबन्धु)। अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने इसके पिघलने की प्रक्रिया से पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि यह प्राकृतिक प्रक्रिया है पर कश्मीर के पर्यावरणविद इसे मानने को तैयार नहीं हैं जिनका कहना था कि क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल होने की अनुमति देने से ऐसा हुआ है।

चिंता की बात यह है कि इस बार यह यात्रा शुरू होने के 7 दिनों के भीतर ही पिघल गया।

पिछले कई सालों से जिस तेजी से हिमलिंग पिघल रहा है उसे रोकने की खातिर किए जाने वाले उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। दरअसल गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से हिमलिंग को नुक्सान पहुंच रहा है क्योंकि लाखों भक्तों की गर्म सांसों को हिमलिंग सहन नहीं कर पा रहा है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी अप्रत्यक्ष तौर पर

भक्तों की सांसों की थ्यूरी को मानते हैं पर प्रत्यक्ष तौर पर वे इसे कुदरती प्रक्रिया करार देते थे। श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते थे कि ग्लोबल वार्मिंग भी इसे प्रभावित कर रही है। वे इससे इंकार करते थे कि गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वर्ष 1996 के अमरनाथ हादसे के बाद नीतिन सेन गुप्ता कमेटी की सिफारिश थी कि 75 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल न होने दिया जाए। पर ऐसा कभी नहीं हो पाया। इस बार 7 दिनों में डेढ़ लाख श्रद्धालु गुफा में पहुंचे हैं। इस पर पर्यावरणविद खफा हैं। वे कहते हैं कि यात्रियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि न सिर्फ हिमलिंग को पिघलाने में अहम भूमिका निभा रही है, यात्रा मार्ग के पहाड़ों के पर्यावरण को

श्राइन बोर्ड बोला प्राकृतिक नियम पर्यावरणविद बोले संख्या कम करो

भी जबरदस्त क्षति पहुंचा रही है। इन पर्यावरणविदों का कश्मीर के अलगाववादी भी समर्थन करते रहे हैं। दिवंगत सईद अली शाह गिलानी गुट ने तो यात्रा को 15 दिनों तक सीमित करने और यात्रियों की संख्या कम करवाने को कई बार मुद्दा बनाया है।

श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं की संख्या को कम करने को राजी नहीं दिखता है। पर वह हिमलिंग के संरक्षण की योजनाओं पर अमल करने का इच्छुक जरूर दिखता है। श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं की संख्या को कम करने की बजाय यात्रा को सारा साल चलाने के पक्ष में भी समर्थन जुटाने में जुटा हुआ है, जो माहौल को और बिगाड़ रहा है इसके प्रति कोई दो राय नहीं है। यात्रा शुरू होने के बाद भक्तों के अलावा गुफा के आस-पास बड़ी तादाद में सुरक्षाकर्मी भी मौजूद हैं। भारी भीड़ की वजह से अमरनाथ गुफा के आसपास का तापमान और बहुत बढ़ गया है, हालांकि श्राइन बोर्ड ने दावा किया था कि पिछले दो तीन साल में उन्होंने कुछ ऐसे उपाय किए हैं, जिससे गुफा तापमान ना बढ़े। जब 30 जून को बाबा बर्फानी ने पहली बार दर्शन दिए थे तब शिवलिंग का आकार करीब 18 फीट का था। और धीरे - धीरे वह अब लगभग पूरी तरह से पिघल गया है। हालांकि अधिकारी कहते थे कि ये अभी भी एक फीट के करीब विद्यमान है। ये पहला मौका नहीं है जब बाबा बर्फानी पहली बार अपने भक्तों से रूठे हों, इससे पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है। अभी तक करीब डेढ़ लाख भक्त बर्फानी बाबा के दर्शन कर चुके हैं, जबकि सरकार चाहती है कि सात लाख और भक्त अमरनाथ पहुंचें। हर दिन हजारों श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर रहे हैं। दर्शन करके लौटते भक्त बताते है कि महादेव का धीरे धीरे यूं अंतर्ध्यान होना उनकी क्रोधलीला है। पिछले साल जब दर्शन करने वालों का आंकड़ा चार लाख पहुंचा था तभी हिमलिंग पूरी तरह से पिघल गया था। इस बार गर्मी को भी एक कारण ठहराया जा रहा है।

ट्रक ने 50 राजस्थानी भेड़ों को रौंदा, मौत, ड्राइवर गिरफ्तार

सोहागपुर, देशबन्धु। सोहागपुर। अनियंत्रित गति का खामियाजा इस बार मूक जानवरों को भुगतना पड़ा।

ग्राम पंचायत सेमरीहरचंद फुदना नाले के पास स्टेट हाईवे 22 पर रात लगभग 9 बजे राजस्थान से आने वाली भेड़ों को ट्रक ने कुचल दिया, मौके पर मौजूद लोगों ने बताया की ट्रक चालक तेज गति से ट्रक चलाते हुए आ रहा था ।

यहीं सड़क पर चल रही भेड़ों को रौंद दिया, जिससे 50 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई ट्रक सहित उसके ड्राइवर को पकड़ लिया है । खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रोड पर मृत अवस्था में पड़ी भेड़ों को हटवाया और रास्ता प्रारंभ करवाया। खबर लिखे जाने तक भेड़ मालिकों की शिकायत पर ट्रक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया जा रहा था। मौके पर कांग्रेस के नेता यशवंत राजपूत पहुंचे और उन्होंने राजस्थान भेड मालिकों की मदद का भरोसा दिया। मानवता दिखाते हुए राजस्थानियों की सहायता भी की।

पतंजलि योग समिति ने मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व एवं रोग अनुसार योग शिविर का शुभारंभ

इटारसी, देशबन्धु। इटारसी। बाबा गोदड़ीवाला धाम में भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति, किसान सेवा समिति, महिला योग समिति, युवा समिति के तहसील इटारसी एवं जिला समिति के संयुक्त बैनर पर भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी एमएल गौर की उपस्थिति में यज्ञ के साथ योग, आसन और प्राणायाम का अ यास कराया गया।

आज से 05 दिवसीय विशेष रोग अनुसार योग शिविर का शुभारंभ किया। योग के महत्व के साथ गुरू की महिमा एवं कृपा के बारे में जानकारी दी गई। यज्ञ के आचार्य रामानुज मौर्य और जितेन्द्र राजपूत ने यज्ञ कराया जिसमें सभी के स्वास्थ्य के लिए कामना करते हुए आहुतियां डाली गईं। कार्यक्रम में मोहन गौर, माधव चेलानी, उत्तम राव आठनेरे, उदय सिंह राजपूत, रमेश जगदेव, ओमप्रकाश पटेल, गोविन्द दास गौर, रामलाल उमरिया, ओमप्रकाश यादव, अशोक सराठे, श्रीमती मंगला राजपूत, वंदना चेलानी, मंगला शर्मा, अनिता देवानी, रेखा, विनीता, कंचन, वमलेश मालवीय, एसके शर्मा, मोहनलाल मालवीय, अरविंद मौर्य आदि उपस्थित थे।

मूंग उपार्जन केंद्र झिरमटा में किसानों को हो रही परेशानी, प्रशासन ने मामला सुलझाया

सोहागपुर, देशबन्धु। ग्राम झिरमटा स्थित ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन केंद्र वेयरहाउस पर मूंग उपार्जन के दौरान किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। किसानों से जानकारी के अनुसार, लगभग पांच किसानों द्वारा उपार्जन केंद्र पर मूंग लेकर आया गया था। उपस्थित समिति प्रबंधक, सर्वेयर और किसानों की मौजूदगी में मूंग का परीक्षण किया गया। इस दौरान चार ट्रॉली में भरी मूंग को नॉन एफएक्यू घोषित कर वापस कर दिया गया। बाकी बचे किसानों का माल सर्वेयर द्वारा एफएक्यू मानते हुए स्वीकार कर लिया गया। किसानों की शिकायत है कि इसके बाद भी गोदाम संचालक द्वारा मूंग का तौल नहीं कराया जा रहा है, जिससे किसानों में असंतोष व्याप्त है। इस विषय में एक लिखित पंचनामा सभी उपस्थित किसानों, समिति प्रबंधक रघुवीर ठाकुर, सर्वेयर अनिल हर्डे और सुपरवाइजर की उपस्थिति में तैयार किया गया और पढ़कर सुनाया गया। पंचनामे में यह भी उल्लेख किया गया कि केंद्र पर लगभग 1500 हेक्टेयर के लिए करीब 16,000 क्विंटल मूंग की स्लॉट बुकिंग है। किसानों ने मांग की है कि यदि समस्या का समाधान नहीं होता है तो इस केंद्र को बंद कर दिया जाए और किसानों के स्लॉट अन्य केंद्रों पर स्थानांतरित किए जाएं। परंतु प्रशासन ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुनील कुमार बर्डे को भेजा जिन्होंने बताया कि जो मूंग एफएक्यू श्रेणी में है, उसका तौल कार्य जारी है और आगे भी तुलाई की प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रहेगी।

गोदाम संचालक द्वारा मूंग का तौल नहीं कराया जा रहा है, जिससे किसानों में असंतोष व्याप्त

खराब मूंग नहीं तोली जाएगी

वहीं अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) अनिल कुमार जैन ने बताया कि कृषि विभाग के एसडीओ मौके पर तत्काल पहुंचे थे। उनकी मौजूदगी में समस्या का समाधान किया गया और अब उपार्जन केंद्र पर कार्य नियमित रूप से जारी है। किसानों का कहना है कि वे प्रशासन से उम्मीद करते हैं कि भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा, ताकि उपार्जन केंद्र पर मूंग विक्रय में उन्हें किसी प्रकार की बाधा ना आए।

अनुभवी टीचर्स की अनदेखी, पसंदीदा दुकान से स्टेशनरी खरीदने दबाव बनाने की शिकायत

इटारसी। नयायार्ड क्षेत्र में संचालित डब्ल्यूएसएससी स्कूल प्रबंधन की कथित मनमानी और टीचर्स की नियुक्ति में अनुभवी शिक्षकों की अनदेखी करने की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी को की गई है। इससे पूर्व यही शिकायत डीआरएम को भी की गई है भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पुरानी इटारसी के पूर्व महामंत्री विनोद बारसे और जितेन्द्र महिरे ने कहा कि नर्सरी से आठवी तक के स्कूल की शिकायत के बाद आनन-फानन में आठ टीचर्स को तो बुला लिया, लेकिन चार ऐसे शिक्षकों की अनदेखी कर दी जिनके पास 18, 16 और छह-छह वर्ष का अनुभव है। इन टीचर्स की अनदेखी इसलिए की गई है, क्योंकि इनमें से कुछ ने वेतन वृद्धि के लिए प्राचार्य के समक्ष अपनी बात रखी थी, जिससे प्रबंधन नाराज है। शिकायत में प्रबंधन पर अपनी पसंद की दुकानों से स्टेशनरी खरीदने का दबाव बनाने का जिक्र भी किया है।

वेयर हाउस में विधिवत पूजा पाठ करके मूंग की खरीद प्रारंभ की

केसला, देशबन्धु। मीना वेयर हाउस में विधिवत पूजा पाठ कर मूंग खरीदी की शुरुआत की गई। राज्य सरकार ने समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी शुरू की है, जो 6 अगस्त तक चलेगी। इस बार सरकार ने मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8682 रुपये प्रति तय किया है। इस दौरान केसला जनपद अध्यक्ष गंगाराम कलमे, जिला कार्यकारिणी सदस्य राम किशोर यादव, मंडल महामंत्री जगदीश बावरिया, कृषि आत्मा समिति अध्यक्ष निर्भय यादव, विधायक प्रतिनिधि तुलाराम यादव, रामअवतार सहित अधिकारी, कर्मचारी किसान मौजूद रहे।

एमजीएम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तद्भावधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया। मु यमंत्री के मु य आतिथ्य में आयोजित गुरु पूर्णिमा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट देखा। मु य अतिथि प्रधानमंत्री कॉलेज एक्सीलेंस, नर्मदापुरम के पूर्व प्राचार्य प्रो.ओएन चौबे, एमजीएम कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. व्हीके सीरिया, संस्कृत विद्यालय इटारसी से आमंत्रित प्राचार्य अशोक भार्गव, अचलेश्वर हनुमान मंदिर के पुजारी रमाशंकर पांडे, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राकेश मेहता एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अरविंद शर्मा मंचासीन रहे। अतिथियों को शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स मान किया। प्राचार्य ने अपने गुरुजन एवं माता-पिता को प्रणाम करते हुए कहा की गुरु न केवल हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं बल्कि हमारा आध्यात्मिक विकास भी करते हैं और हमें अपने जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करते हैं। संस्कृत विद्यालय इटारसी के प्राचार्य अशोक भार्गव ने गुरु की महत्ता का वर्णन करते हुए कहा कि गुरु हमें अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाने वाला एक ऐसा तत्व है जो हमें निरंतर ज्ञान की खोज में प्रयास करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है।

एसव्हीएम के बच्चों ने गुरुपूर्णिमा पर जाना गुरुओं का महत्व

इटारसी। हमारे धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अंधकार अज्ञानता को हटाकर हमें प्रकाश की ओर ले जाने वाले और ईश्वर से हमारा साक्षात्कार कराने वाले गुरू की महिमा का गुणगान करने न्यास कॉलोनी स्थित साईं विद्या मंदिर स्कूल में आज शिक्षकों ने बच्चों को गुरूपूर्णिमा का महत्व बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षिका उषा राजपूत ने बताया कि यह उत्सव महात्मा गांधी के आध्यात्म गुरू श्रीमद् राजचंद्र को स मान देने के लिये पुनर्जीवित किया और वरिष्ठ शिक्षिका रूपा शुक्ला ने बताया कि गुरू वेद व्यास के जन्मदिवस के अवसर पर व्यास पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है कार्यक्रम की संयोजक टी कश्यप व आभा तोमर ने बताया इस अवसर पर मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कक्षा 5,6,7 व 8 की देवांशी यादव, अनन्या झारिया, तनुश्री विश्वास, लावन्या यादव, माहिर अंसारी, वंशिका सेन, अदिति मालवीय, दिशा पटैल, आयुष यादव, अंकिता यादव, माही भारती, आयुश बोरासी, आराध्या चतुर्वेदी, आस्था परिहार, तनिष्का रैकवार, मिष्ठी कुशवाह ने गुरू के महत्व पर कविता, श्लोक व अपने विचार रखे।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल इटारसी द्वारा

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शक्ति केन्द्र में पौधरोपण, लिया संकल्प

इटारसी, देशबन्धु। आज भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल इटारसी द्वारा शक्ति केंद्र क्रमांक 1 सरदार पटेल नगर के अंतर्गत बूथ क्रमांक 173 पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ सिंघल, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, शक्ति केंद्र संयोजक एवं पार्षद मनजीत कलोसिया, भाजपा पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक महतो, भाजपा महामंत्री सौरभ मेहरा, कैलाश रायकवार, बूथ अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण चौहान, मयूर मालवीय, संदीप तिवारी, रुद्र चौरे, शुभम गौर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अब गवर्निंग लेबल से महज 6 फिट तवा बांध और 9 फिट दूर नर्मदा का अलार्म जलस्तर

इटारसी, देशबन्धु। तवा बांध में 31 जुलाई तक 1158 फिट पानी रखना है। इससे अधिक होने के साथ ही आगामी दिनों में तेज बारिश के आसार हुए तो जलस्तर बनाये रखने के लिए बांध के गेट खोले जा सकते हैं। वर्तमान में बांध का जलस्तर 1152 के आसपास है। यानी गवर्निंग लेबल से महज 6 फिट दूर। अभी जुलाई माह में 21 दिन हैं, इस अवधि में तेज बारिश हुई और बांध में तेजी से पानी आया तो बांध के गेट खुलने की संभावना बन सकती है। ऐसे ही नर्मदा का सेठानी घाट पर अलार्म स्तर 967 फिट से करीब 9 फिट दूर है।

कर्मचारियों को बांटी बरसाती, स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों की छुट्टी रद्द

इटारसी। भारी वर्षा की संभावनाओं को देखते हुए, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और सीएमओ श्रीमती ऋतु मेहरा ने आज नगर पालिका के 250 कर्मचारियों को बरसात से बचाव के लिए बरसाती वितरित कीं। इस दौरान, उन्होंने सभी कर्मचारियों को बरसात भर 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के स त निर्देश दिए और स्वच्छता विभाग के सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गईं। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कर्मचारियों से कहा कि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें और जनता को असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करें।

सीएमओ ने कहा लापरवाही बर्दाश्त नहीं:- सीएमओ इटारसी ऋतु मेहरा ने कहा कि सभी को बरसाती शासन इसलिए प्रदान करता है ताकि कर्मचारी बारिश में भीगें नही।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में गुरु पूर्णिमा मनी

इटारसी, देशबन्धु। गुरु पूर्णिमा पर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज इटारसी में विद्या वन के अंतर्गत विद्यार्थियों के साथ गुरुजनों ने 16 से भी अधिक पौधे रोपे। प्राचार्य आरके चौलकर के नेतृत्व में श्रीमती पल्लवी नरवरे, रामकुमार उइके, आकाश गर्ग के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रजाति के फलदार, छायादार, फूलदार एवं औषधीय आम, जामुन, अमरूद, सीताफल, बादाम, कदंब आंवला, सतपर्णी, मधु कामिनी, चंपा, चमेली, मौलश्री आदि के पौधे रोपे। संस्था में संजय कुलश्रेष्ठ, भवानी सिंह सोलंकी, जितेंद्र साहू, राम चरण सिंह तोमर, योगेश बरकने जियालाल सोमनाथ, श्रीमती सोनिया सराठे, सुश्री नेहा केदारे रचना श्रीवास ने रोपण किया। सुशील मरावी, रामनारायण यादव, भगवान दास, मनीष कुमार, आकाश केवट ने इनके पालन पोषण की जिम्मेदारी ली ।प्राचार्य ने बताया कि कालेज में प्रवेश प्रक्रिया अंतर्गत कालेज लेवल काउंसलिंग भी प्रारंभ है। प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को दसवीं एवं 12 वीं पास विद्यार्थी अपने मूल प्रमाण पत्र सत्यापित कर मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में सीधे प्रवेश लेकर तकनीकी शिक्षा में भविष्य बना सकते हैं।

कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा मांगों का ज्ञापन

नजूल पट्टों के नवीनीकरण को लेकर कांग्रेस सड़क पर

सोहागपुर, देशबन्धु। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा एक ज्ञापन कलेक्टर नर्मदापुरम के नाम सोहागपुर नगर के नजूल के पट्टों का नवीनीकरण करने के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर को सौंपा गया जिसमें कहा गया कि नगर सोहागपुर में वर्ष 1981-82 से वर्ष 1985-86 तक शासन द्वारा अभियान चला कर सोहागपुर को नजूल घोषित करने की प्रक्रिया को सम्पादित किया गया था और सोहागपुर नगर के लगभग सभी 2700 भूखंडों को नजूल घोषित किया गया था । यह कि उक्त भूखंडों का प्रथक-प्रथक प्रकरण तैयार कर कलेक्टर के आदेश उपरांत सोहागपुर को विभिन्न शीटो में विभाजित कर नजूल खसरा मेंटेनेंस वर्ष 1981-82 से तैयार कर नजूल शासकीय प्रकिया प्रारंभ की थी । यह कि सोहागपुर नगर के उपरोक्त नजूल भूखंड की लीज अवधि 31 मार्च 2012 तथा कुछ भूखंड की अवधि 31 मार्च 2016 को समाप्त हो गयी है और उपरोक्त प्रकरणों का लीज नवीनीकरण प्रस्तावित है । लीज की अवधि में कोरोना काल होने के कारण विलम्ब हुआ है इसके बाद पक्षकारों द्वारा उपरोक्त नजूल भू नवीनीकरण हेतु माननीय अनुविभागीय अधिकारी नजूल सोहागपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने पर जानकारी प्राप्त हुई है कि नर्मदापुरम में माननीय कलेक्टर द्वारा मूल पट्टा प्रस्तुत करने हेतु कहा गया

कि नजूल प्रक्रिया में शासन स्तर से सोहागपुर नगर में मूल पट्टे को अधिकांश लोगों को नहीं दिए गये है गौरतलब है कि उपरोक्त सोहागपुर नगर की नजूल प्रक्रिया में शासन स्तर पर त्रुटी हुई थी । नर्मदापुरम कलेक्टर द्वारा उपरोक्त नगर सोहागपुर को नजूल घोषित करने बाबत मध्यप्रदेश शासन की और की जाने वाली कार्यवाही समय रहते उचित कार्यवाही कर दी जाती तो यह सामना नगर को नहीं करना होता । यह कि शासन के आदेशानुसार नजूल भूमि के पट्टो के नवीनीकरण हेतु मूल पट्टे की प्रति मांगी जा रही है। जो यहाँ के अधिकांश भूखंड मालिको के पास नहीं है अगर शासन के द्वारा पहले पट्टे भूखंड मालिको को दिए गये तो उनकी तीन प्रतियां होती है। जिसमें से एक जिला मुख्यालय में एक तहसील मुख्यालय पर और एक भूखंड मालिक को प्राप्त होती है । नगर के पट्टों की एक फाइल तो जिला मुख्यालय में होनी चाहिए अगर जिला मुख्यालय पर है तो उसकी नक्कल यहाँ के भूखंड मालिकों को शासन के द्वारा प्राप्त करवाना चाहिए ।

यह कि उक्त समस्या को देखते हुए वर्ष 2016 में तत्कालीन कलेक्टर नर्मदापुरम एवं एसडीएम सोहागपुर के द्वारा हल निकाल कर लगभग 400 से 500 लोगों के पट्टो का नवीनीकरण किया गया है । नगर के लोगों का लीज नवीनीकरण नहीं होने के कारण शासन को करोड़ों रूपये के राजस्व की हानी हो रही है। कांग्रेस ने मांग की है की शहर के इस बड़ी समस्या को संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करना चाहिए ज्ञापन देने में पुष्पराज पटेल पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संतोष मालवीय, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मंगल सिंह रघुवंशी, पूर्व पार्षद मिश्री साहू, पूर्व पार्षद आलोक जायसवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष , गजेंद्र चौधरी नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष . शिरीष तिवारी नीरज रघुवंशी कार्तिक शर्मा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष भास्कर मांझी पार्षद मातापुर इसरार खान, नितिन चौरसिया, शाहिद कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

किसान भाई हर शुक्रवार को जमा कर सकते हैं जल कर की राशि

हरदा ,देशबन्धु। कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, हरदा सुश्री सोनम वाजपेयी ने बताया कि जल संभाग संभाग अंतर्गत राजस्व वसूली संग्रहण किये जाने के लिये प्रत्येक शुक्रवार को प्रात: 10 बजे से 6 बजे तक अमीन कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। उन्होने किसानों को अपील की है कि वे शुक्रवार को कार्यालय में उपस्थित होकर जल कर राशि जमा करा सकते हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता शिविर सम्पन्न

हरदा, देशबन्धु। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत शुक्रवार को जिले के ग्राम साल्याखेड़ी के आंगनवाड़ी केन्द्र में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में परियोजना अधिकारी श्रीमती सीमा जैन ने उपस्थित प्रतिभागियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में बाल विवाह रोकथाम संबंधी नियमों व कानूनों तथा पाक्सों एक्ट के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर में दी जाने वाली नि:शुल्क सेवाओं, महिला हेल्पलाइन नम्बर 1090, चाईल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098, साइबर हेल्पलाइन नम्बर व सीएम हेल्पलाइन 181 के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में उपस्थित महिलाओं को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण करने के लिये प्रेरित भी किया गया। ि

समेरिटंस स्कूल सांदीपनि में एनसीसी गर्ल्स की भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न

नर्मदापुरम, देशबन्धु। 5 एमपी गर्ल्स बटालियन से संबद्ध समेरिटंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की

जूनियर विंग गर्ल्स की भर्ती प्रक्रिया कमान अधिकारी के निर्देश में शुक्रवार को सम्पन्न हुई। भर्ती प्रक्रिया के पूर्व सभी दस्तावेज की जांच एवं योग्यताओं, शारीरिक दक्षता एवं सामान्य ज्ञान परीक्षा बटालियन के प्रतिनिधि हवलदार कुलवीर चंद्र, हवलदार मशबुक अहमद, संस्था की एनसीसी अधिकारी स्नेहा उपाध्याय के द्वारा पूर्ण की गई। भर्ती प्रक्रिया में संस्था के डायरेक्टर डा आशुतोष कुमार शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत, एनसीसी मैनेजर प्रदीप यादव, सेकंड ऑफिसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपस्थित रहे।

नगरपालिका परिसर में किया पौधरोपण, लिया संरक्षण का संकल्प

नर्मदापुरम, देशबन्धु। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी नगरपालिका तेजगति से कार्य कर रही है। नपाध्यक्ष द्वारा जहां वार्डों में पौधरोपण किया जा रहा है, वहीं आज नगरपालिका परिषद द्वारा आयोजित अमृत हरित अभियान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगरपालिका कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। साथ ही पौधरोपण कर उसके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि हम पर्यावरण संरक्षण के मामले में लगातार कर कार्य कर रहे हैं।

महिला सुरक्षा एवं बालिकाओं को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान

बालिकाओं की सुरक्षा पर विशेष फोकस: पुलिस से अपने मन की बात साझा की

हरदा, देशबन्धु। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शुक्रवार को जिला एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे एवं उप पुलिस अधीक्षक अरुणा सिंह एवं महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अंजना पाटिल के निर्देशन मे महिला थाना से म.आर.उमा सेंगर,म.आर.जया लहरे, उपस्थित रहीं। उन्होंने बालिकाओं को गुड टच एवं बैड टच की पहचान, बचाव के तरीके, आत्म-सुरक्षा उपायों तथा किसी भी आपात स्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को यह भी बताया गया कि यदि वे किसी प्रकार की असहज या आपत्तिजनक स्थिति में हों, तो तुरंत परिवार, शिक्षक या नजदीकी पुलिस अधिकारी को सूचित करें। साथ ही, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, और डायल 112 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की स्थिति में साहसपूर्वक कार्यवाही करने के लिए प्रेरित करना था। छात्राओं ने पूरे उत्साह और जिज्ञासा के साथ सहभागिता की और विषय से जुड़े प्रश्न पूछे जिनका अधिकारियों द्वारा सरल व प्रभावी उत्तर दिया गया।

इस अवसर पर स्कूल प्रशासन एवं छात्रावास प्रभारीगण ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम निश्चित रूप से बालिकाओं में जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षा के प्रति सजगता लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

बाल अधिकारों के संबंध में किशोर एवं ग्रामीणजन को किया गया जागरूक

नीमगाँव, सोनतलाई व हनीफाबाद में विधिक साक्षरता में किया सतर्क

हरदा, देशबन्धु। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में गुरूवार को ग्राम नीमगांव, सोनतलाई व हनीफाबाद में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में न्यायाधीश एवं सचिव चंद्रशेखर राठौर ने बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढाने, शिक्षा को बढावा देने और बाल यौन शोषण, बाल विवाह, बाल श्रम आदि अपराधों के बारे में लोगों को जागरूक किया। उन्होने बताया कि ''डॉन स्कीम- 2025'' राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नशा उन्मूलन के लिये शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य बालकों व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूद्ध जागरूकता बढाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता व कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। उन्होने नालसा योजना के उपबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत ड्रग्स तस्करी एवं ड्रग्स पीड़ितों को जिला प्राधिकरण के द्वारा आवश्यक विधिक सेवा उपलब्ध करायी जाती है। योजना के तहत ड्रग्स पीड़ितों को पहचानने, उनका उपचार करने तथा नशा मुक्ति के पश्चात उनके पुनर्वास में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को गतिमान कराया जाता है। साथ ही ड्रग्स के खतरों एवं इसके उन्मूलन के प्रभावी उपायों के विषय में संवेदनशील बनाया जाता है। जिला प्राधिकरण एवं राज्य की कई एजेन्सियों के साथ साथ गैर सरकारी संगठन भी नशीले पदार्थों की तस्करी और मादक पदार्थों के उन्मूलन के क्षेत्र में कार्यरत है।

जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ कुमार दुबे ने बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना के संबंध में पॉक्सो एक्ट, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा योजना की जानकारी उपस्थितजनों को दी। उन्होने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित ''संवाद योजना-2025'' के तहत अनुसुचित जनजाति एवं सुदुर क्षेत्र में निवासरत लोगों को भी उनके संवैधानिक व वैधानिक अधिकारों की जानकारी दी। शिविर में नीमगॉव सरपंच रामभरोस विश्नोई, सचिव संतोष मंसूरे, ग्राम सोनतलाई सचिव सुरेश प्रजापति, हनीफाबाद सहायक सचिव विजेन्द्र सिंह, ग्रामीणजन, महिलाएं, पुरूष, बच्चे एवं पैरालीगल वॉलेंटियर मोहन जाट उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराएं

कलेक्टर ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, मध्यप्रदेश स?क विकास निगम, सेतू विकास निगम व ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण सहित सभी निर्माण विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि जो निर्माण एजेन्सी समय पर कार्य पूर्ण नहीं कर पा रही है, उन पर पेनल्टी की कार्यवाही की जाए। उन्होने जिला चिकित्सालय भवन के निर्माण में देरी के कारण संबंधित निर्माण एजेन्सी को नोटिस जारी करने के निर्देश भी पीआईयू के अधिकारी को दिये। उन्होने जल संसाधन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि जिन कार्यों में अवार्ड पारित हो चुके हैं, उन्हें शीघ्रता से प्रारम्भ करें।

सभी बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाएं, याद रखें कोई भी बच्चा पढ़ने जाने से वंचित न हो

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की बैठक में अधिकारियों को निर्देश

हरदा, देशबन्धु। स्कूल जाने योग्य सभी बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाएं और प्रयास किया जाए कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से छूटे नहीं। यह निर्देश कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित शिक्षा विभाग की बैठक में अधिकारियों को दिये। उन्होने बैठक में निर्देशित किया कि विभागीय अमले के माध्यम से 6 से 18 वर्ष की आयु के सभी बच्चों का सर्वे कर शाला में प्रवेश के लिये प्रेरित कर उनका प्रवेश कराएं। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस. रघुवंशी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र बलवंत पटेल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिये कि ऐसे शिक्षक जो अध्यापन कार्य में लापरवाही बरत रहें, उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होने निर्देशित किया कि एजुकेशन पोर्टल पर जिन विद्यालयों द्वारा मेपिंग नहीं की जा रही है, उनके विरूद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जाए। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों को साइकिल वितरण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। उन्होने निर्देशित किया कि सभी को ई-अटेण्डेंस लगाना अनिवार्य है। इसके लिये प्रथम चरण में संकुल प्राचार्यों, द्वितीय चरण में शाला प्राचार्य व तृतीय चरण में शिक्षकों का ई-अटेण्डेंस के माध्यम से वेतन आहरण किया जाएगा। उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी को जिले में जीर्ण शीर्ण शाला भवनों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि ''दीक्षा पोर्टल'' के अनुरूप अध्यापन कार्य कराएं ताकि शिक्षण कार्य में एकरूपता आ सके। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत नॉट अटेण्डेन्ट नहीं होना चाहिए। उन्होने एक पे? माँ के नाम अभियान के तहत विद्यालयों में पौधरोपण कर माय लाइफ एप पर फोटो अपलोड कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। उन्होने अधिकारियों को विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण के निर्देश दिये।

जिले में में मनाया गया मछुआ दिवस

उत्कृष्ट मत्स्य पालकों को किया गया सम्मानित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग, जिला नर्मदापुरम द्वारा मछुआ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मत्स्य पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मछुआरों एवं मत्स्य पालकों को विभाग द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि यह दिवस भारत में मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मत्स्य कृषकों एवं पालकों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। इसे राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के नाम से भी जाना जाता है। मछुआ दिवस की ऐतिहासिक महत्ता बताते हुए बताया गया कि 10 जुलाई 1957 को डॉ0 हीरालाल चौधरी एवं डॉ0 के0एच0 अलीकुन्ही द्वारा सी0आई0एफ0आर0आई0 में मछली प्रजनन के क्षेत्र में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की गई थी, जिसकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।

मछुआ दिवस मनाने के पीछे है जागरूकता बढ़ाने की सोच

मत्स्य पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को सम्मानित करना। मत्स्य पालन क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना। मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देना। मत्स्य पालन क्षेत्र में सतत विकास को प्रोत्साहित करना। कार्यक्रम में मत्स्य कृषकों ने भी अपने अनुभव साझा किए एवं भविष्य में इस क्षेत्र को और अधिक विकसित करने के लिए प्रेरित हुए। राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास एवं प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा यह सभी हितधारकों को एकजुट होकर इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है।

तेज गति से चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान

मालाखेड़ी और आदमगढ़ से हटाया ट्रॉलियों से कचरा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर में लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। बारिश के दिनों में कचरा स? न इस बात का ध्यान रखते हुए द्रुतगति से वार्डों से कचरा उठाया जा रहा है। जेसीबी की मदद से आदमगढ़ और मालाखेड़ी क्षेत्र से कचरा हटाया गया।

स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सीएमओ श्रीमती पटले के स्पष्ट निर्देश हैं कि बारिश के दिनों में स्वच्छता अभियान में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। वहीं जनसुनवाई में आई स्वच्छता संबंधी शिकायत को भी प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जा रही है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे बारिश के दिनों में कचरा यहां वहां न फैंकें। कचरा यहां वहां फैंक देने से पानी के साथ बहकर नाले नालियों में फंसते हैं जिसके चलते जलभराव की स्थिति बनती है। बारिश के दिनों में सावधान रहें सुरक्षित रहें।

मनोरंजन से सराबोर रही अग्रवाल महासभा की राष्ट्रीय बैठक

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक मथुरा के खंडेलवाल सेवा सदन में संपन्न हुई। जहां महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि कल्याण दास टंच वाले एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में भारतवर्ष से पधारे 33 राज्यों के पदाधिकारी मौजूद थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वह अपना संपर्क, संवाद, समन्वय, सामंजस्य, सेवा, विश्वास कायम करने पर ध्यान केंद्रित करें और कार्य करें। बैठक में मथुरा वृंदावन में अग्रवंशियों द्वारा महाराजा अग्रसेन का भव्य मंदिर एवं धर्मशाला बनाने का संकल्प किया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ राज्यों से पधारे सभी पदाधिकरियों ने इस कार्य में सहयोग करने का संकल्प किया। मथुरा वृंदावन में अग्रसेन भगवान एवं माता लक्ष्मी जी के कुलदेवी माता लक्ष्मी जी के भव्य मंदिर निर्माण के लिए विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र गर्ग, राष्ट्रीय महामंत्री हरिओम गर्ग, मंत्री योगेंद्र गोयल ट्रेजरी वाले, संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल, संरक्षक मूलचंद गर्ग, राष्ट्रीय सलाहकार महेश कुमार अग्रवाल ब्यावरा म.प्र., बलदेव प्रसाद अग्रवाल, रामेश्वर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भानु प्रकाश बंसल, रितेश अग्रवाल राष्ट्रीय सचिव, अंकित गुप्ता मध्य प्रदेश, ओम प्रकाश अग्रवाल, संपादक अग्र सत्ता म.प्र. ,अरुण अग्रवाल, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष मृदुला गर्ग, उपाध्यक्ष मीरा अग्रवाल, संगठन मंत्री आशा अग्रवाल, सह संगठन मंत्री मीनाक्षी अग्रवाल ,उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मीरा मित्तल, मध्य प्रदेश अध्यक्ष भारती अग्रवाल, छत्तीसगढ़ अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल दतिया अंकित गुप्ता, मध्य प्रदेश राजेंद्र अग्रवाल सुरेश अग्रवाल, चन्द्र प्रकाश गुप्ता,गोपाल दास काजू वाले, राजकुमार रद्दी वाले, हिमांशु अग्रवाल उत्तर प्रदेश मथुरा आदि से बड़ी संख्या में पदाधिकारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज की कार्यक्रम में सदस्यता अभियान में सक्रिय सहयोगियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया इसके पूर्व जिला अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल ,महामंत्री मंतोष अग्रवाल, महिला समिति अध्यक्ष जिला अध्यक्ष नीलम अग्रवाल, महामंत्री रचना अग्रवाल ने सभी सदस्यों को भेज लगाकर और पटका पहनकर स्वागत किया मंच का कुशल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री हरिओम गर्ग ने किया अंत में जिला अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल में आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में गोपाल दास काजू वाले को मथुरा में मंदिर निर्माण मैं सक्रिय भूमिका एवं रूपरेखा बनाने का कार्य सौंपा गया । बैठक दो सत्र में रखी गई और सांस्कृतिक कार्यक्रम, रासलीला एवं भक्ति संगीत का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें सभी महिला एवं पुरुषों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया ।

प्राचार्य ऑफिस के बाहर पोस्टर पर विद्यार्थी परिषद का गमछा पहनाया, फिर किया एनएसयूआई के छात्र नेताओं ने प्रदर्शन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। पीएम श्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य के निरंतर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रमों में शिरकत किए जाने से नाराज एनएसयूआई छात्र नेताओं का उनके खिलाफ एनएसयूआई का गुस्सा फूट पड़ा। परिणामस्वरूप कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य के कक्ष के बाहर प्राचार्य की फोटो चस्पा कर उसे विद्यार्थी परिषद का गमछा पहनाकर यह आरोप लगाया कि प्राचार्य को खुले रूप से परिषद की सदस्यता ले लेना चाहिए और पद से इस्तीफा दे देना चाहिए इस दौरान प्राचार्य के खिलाफ जमकर नारे बाजी हुई और प्राचार्य कार्यकर्ताओं के बीच बहस चलती रही , निरंतर अखिल भारतीय परिषद के कार्यक्रम कॉलेज परिसर में हो रहे हैं जिसके लिए ना तो जन भागीदारी शुल्क लिया जा रहा है ना ही किसी प्रकार से शासकीय संपत्ति पर झंडे लगाने से परिषद को रोका जा रहा है , यहां तक की प्राचार्य खुद कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं । यह सारे घटना क्रम को सत्ता के दबाव में शासकीय संपत्ति का दुरुपयोग बताते हुए प्रदर्शन किया गया है। एनएसयूआई का यह भी आरोप है कि एक जिम्मेदार पद पर बैठकर इस तरह से संभाग के सबसे बड़े कॉलेज का संचालन करने वाले प्राचार्य की भूमिका बेहद निंदनीय है , कल के दिन कॉलेज में छात्र संघ चुनाव होते हैं तो ऐसे में प्राचार्य की निष्पक्षता किस और रहेगी यह तय नहीं किया जा सकता । शिक्षा व्यवस्था सुधारने छात्रों को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं को नई दिशा देने की जगह प्राचार्य अपना समय नेताओं को खुश करने में बर्बाद कर रहे हैं । जिसका एनएसयूआई निरंतर विरोध करते आई है । इस मामले में एनएसयूआई उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर प्राचार्य की करेगी शिकायत ।प्रदेश सचिव आफरीद खान , कॉलेज अध्यक्ष अभय सैनी नगर अध्यक्ष रितिक चौहान ब्लॉक अध्यक्ष पीयूष जैन , विनय मालवीय , सार्थक जैन ईशन गुप्ता , हर्ष मलैया , स्नेहा यादव , राहुल राजोरिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभिमत

शहरों व कस्बों की नदियों के आसपास अतिक्रमण हो रहा है, उस पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जब से जमीनों के दाम बढ़े हैं तब से यह सिलसिला बढ़ रहा है। इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी कम हो गई है। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। पक्षी व जल जीवों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है।

बाढ़ क्यों स्थायी समस्या बन गई है?

नवाचार

■ **बाबा मायाराम**

इन दिनों लगातार बारिश हो रही है। नदी-नाले, ताल—तलैया सभी उफान पर हैं। चारों तरफ पानी ही पानी है। नदियों में बाढ़ से नुकसान की खबरें आ रही हैं। लेकिन यह हर साल की समस्या है, बाढ़ अब मौसमी नहीं, स्थायी समस्या बन गई है, बल्कि लगातार बढ़ रही है। हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। आज इस कॉलम में इसी पर बात करना चाहूंगा, जिससे बाढ़ की समस्या को समझा जा सके।

नदियों में पहले भी बाढ़ आती थी। बारिश पूरे चार महीने होती थी। झड़ी लगी रहती थी। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल होता था। अब बारिश के दिन कम हो गए हैं। कुछ ही समय में बारिश ज्यादा हो जाती है। पहले जब बाढ़ आती थी, तब वह इतने व्यापक पर कहर नहीं ढाती थी। इसके लिए गांव वाले तैयार रहते थे। बल्कि इसका उन्हें इंतजार रहता था।

खेतों को बाढ़ के साथ आई नई मिट्टी लाती थी, भरपूर पानी लाती थी जिससे प्यासे खेत तर हो जाते थे। पीने के लिए पानी मिल जाता था, भूजल ऊपर आ जाता था, नदी नाले, ताल-तलैया भर जाते थे। समृद्धि आती थी। बाढ़ आती थी, मेहमान की तरह जल्दी ही चली जाती थी।

लेकिन अब वनों की और पेड़ों की कटाई हो गई है। भूक्षरण ज्यादा हो रहा है। पानी को स्पंज की तरह अपने में समोने वाले जंगल कम हो गए हैं। जंगलों के कटान के बाद झाड़ियां और चारे जलावन के लिए काट ली जाती हैं। जंगल और पेड़ बारिश के पानी को रोकते हैं। वह पानी को बहुत देर तो नहीं थाम सकते लेकिन पानी के वेग को कम करते हैं। स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। लेकिन पेड़ नहीं रहेंगे तो बहुत गति से पानी नदियों में आएगा और बरबादी करेगा। और यही हो रहा है।

पहले नदियों के आसपास पड़ती जमीन होती थी, नदी- नाले होते थे, लम्बे- लम्बे चारागाह होते थे, उनमें पानी थम जाता था। नदियों के अतिरिक्त पानी की ठेल ऐसी जगह होती थी। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे- नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जगह किसी अन्य गतिविधियों के लिए काम आती है।

बढ़ता शहरीकरण और कांक्रीट से कांक्रीट निर्माण भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं। बहुमंजिला इमारतें, सड़कों राजमार्गों का जाल बन गया है। नदियों का प्राकृतिक प्रवाह अवरूद्ध हो गए हैं। जहां पानी निकलने का रास्ता नहीं रहता है, वहां दलदलीकरण की समस्या हो जाती है। इससे न केवल फसलों को नुकसान होता है बल्कि कई बीमारियां भी फैलती हैं। जो तटबंध बने हैं, वे टूट-फूट जाते हैं जिससे लोगों को बाढ़ से बाहर निकलने का समय भी नहीं मिलता। इससे जान-माल की हानि होती रहती है।

शहरों व कस्बों की नदियों के आसपास अतिक्रमण हो रहा है, उस पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जब से जमीनों के दाम बढ़े हैं तब से यह सिलसिला बढ़ रहा है। इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी कम हो गई है। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। पक्षी व जल जीवों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है।

शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है। सब जगह पक्के कांक्रीट के मकान और सड़कें हैं। जैसे कुछ बरस पहले मुंबई की बाढ़ का किस्सा सामने आया था। वहां की नदी ही गायब हो गई, और जब पानी आया तो शहर जलमग्न हो गया। ऐसी हालत ज्यादातर शहरों की हो जाती है। शहरों की नदियां या तो गटर में तब्दील हो गई हैं, या फिर गायब ही हो गई हैं। शहर अपनी सारी गंदगी इन्हीं नदियों में डाल देता है।

लेकिन बाढ़ के कारण और भी हैं। जैसे नदियों में रेत कम होना। रेत भी पानी को स्पंज की तरह सोखकर रखती है। अगर रेत ही नहीं रहेगी तो पानी कहां रहेगा। इसके अलावा नदियों के किनारे तट लंबे-चौड़े होते थे, जिससे पानी फैल जाता था। उसके आसपास नालों में पानी चला जाता था, जिससे पानी का वेग कम हो जाता था। पानी को ठहरने की जगह मिल जाती थी और नदियों का प्रवाह कम होने से बाढ़ से नुकसान भी कम होता था।

कई बांध व बड़े जलाशयों में नदियों को मोड़ दिया जाता है, उससे नदी ही मर जाती हैं। नदियां बांध दी जाती हैं। निचले हिस्से में लोग समझते हैं, नदी ही नहीं तो वे उसकी जमीन पर खेती करने लगते हैं या कोई और उपयोग, तो जब बारिश ज्यादा होती है तो पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता। इससे बाढ़ से बरबादी होती है।

इसके अलावा, कई बार बांधों से पानी छोड़ने के कारण भी बाढ़ की समस्या बढ़ जाती है। क्योंकि एकदम से पानी छोड़ने से नदियां उफान पर आ जाती हैं, और बाढ़ आ जाती है। जिन बांधों को कभी बाढ़ नियंत्रण का समाधान बताया जाता था, अब उनके कारण ही कई बार बाढ़ आ जाती है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं।

मौसम बदलाव भी एक कारण है। पहले सावन भादो के महीने में लम्बे समय तक झड़ी लगी रहती थी। कभी-कभी हफ्ते भर बारिश होती थी। सूर्य के दर्शन भी नहीं होते थे। लोग घरों से निकल नहीं पाते थे। घरों में ही रहकर रस्सी बनाने जैसे छोटे-मोटे काम करते थे।

इस तरह, लगातार बारिश का पानी फसलों के लिए और भूजल पुर्नभरण के लिए बहुत उपयोगी होता था। फसलें भी अच्छी होती थी और धरती का पेट भी भरता था। पर अब अब बड़ी-बड़ी बूंदों वाला पानी बरसता है, जिससे कुछ ही समय में बाढ़ आ जाती है। वर्षा के दिन भी कम हो गए हैं।

पहाड़ी नदियों में बाढ़ थोड़ी ही बारिश से आ जाती है। क्योंकि ऊपर पहाड़ यानी चट्टानें होती हैं, जिनमें पानी सरपट दौड़ता है। उसे रूकने व ठहरने का कोई स्थान नहीं मिलता। इससे कई बार जो मछुआरे समुदाय तरबूज-खरबूज की खेती करते हैं। उनकी वह फसल पानी में बह जाती है। इससे उन्हें बहुत नुकसान होता है।

मछुआरों का यह नुकसान इसलिए भी बड़ा होता है, क्योंकि यह मछुआरे समुदाय ज्यादातर भूमिहीन होते हैं, और इस फसल पर उनकी निर्भरता ज्यादा होती है। अगर बाढ़ में यह फसल बह जाती है, तो उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कुल मिलाकर, पानी के परंपरागत ढांचों की भी भारी उपेक्षा हुई है। ताल, तलैया, तालाब, कुएं खेतों में मेड़ बंधान आदि से भी पानी रूकता है। लेकिन इन सबकी उपेक्षा हो रही है। आज कल इन पर ध्यान न देकर भूजल के इस्तेमाल पर जोर दिया जाता है। हमारी बरसों पुरानी परंपराओं में ही आज की बाढ़ जैसी समस्या के समाधान के सूत्र छिपे हैं। अगर ऐसे समन्वित विकल्पों पर काम किया जाए तो न केवल बाढ़ जैसी बड़ी समस्या से निजात पा सकते हैं। बल्कि पर्यावरण और जैव-विविधता और बारिश के पानी का संरक्षण कर सकेंगे। नदियों को भी बचा सकते हैं, और धरती का पुनर्भरण भी कर सकते हैं। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

पहले नदियों के आसपास पड़ती जमीन होती थी, नदी-नाले होते थे, लम्बे-लम्बे चारागाह होते थे, उनमें पानी थम जाता था। नदियों के अतिरिक्त पानी की ठेल ऐसी जगह होती थी। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे-नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जगहकिसी अन्य गतिविधियों के लिए काम आती है।

बीता सप्ताह

5 जुलाई
- उपसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में तीन दुश्मनों ने लड़ी जंग।
- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका खारिज की कि मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद विवादित ढांचा नहीं है।
- सब लेफ्टिनेंट आस्था पुनिया बनी नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट।
- रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी।

6 जुलाई
- पर्यटन, कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में बढ़ेगी उप्र-जापान की साझेदारी।
- टेक्सास में बाढ़ से 13 लोगों की जान गई। 20 से अधिक बच्चे हुए लापता।
- राजनीति के इतिहास में 20 साल बाद साथ आए दोनों भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे।
- भगोड़े हीरा व्यापारी पीएनबी बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई मेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया।

7 जुलाई
- पीएम नरेंद्र मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे।
- एलन मस्क ने अमेरिका में अमेरिका पार्टी नाम से बनाया नया दल।
- पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा सरकारी बंगला अभी तक खाली नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को नोटिस दिया।
- विश्व मुक्केबाजी कम युवा साक्षी ने भारत के लिए जीता स्वर्ण पदक।

8 जुलाई
- उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने जस्टिस वर्मा केस मामले में कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा पर नोटों बंडल निकलने को लेकर तुरंत एफआईआर की जरूरत है।
- पीएम मोदी ने ब्रिक्स समूह को नया आयाम देते हुए कहा कि ब्रिक्स देश घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे।
- छग में आईएएस यशवंत कुमार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बनाए गए।
- छग में कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार जल, जंगल, जमीन सब अडानी को सौंप रहीं है।

9 जुलाई
- इजरायल सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया।
- पीएम मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे।
- स्विटजरलैंड में बच्चों के लिए मलेरिया की नई दवा कोर्टेम बेबी को दी गई मंजूरी।
- 20 सालों में बच्चों पर सबसे बड़ा अध्ययन में पता चला कि अमेरिका में बच्चों की सेहत सबसे ज्यादा बिगड़ रही।

10 जुलाई
- पीएम नरेंद्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक का सम्मान 'आर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट बेल्विशिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया।
- वायुसेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटना ग्रस्त हो गया। दोनों पायलट की मौत।
- इसरो ने गगनयान मिशन के इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया।
- राहुल गांधी ने पटना में कहा कि सरकार बिहार में वोट चुराने की कोशिश कर रही है।

11 जुलाई
- बिहार में वोटर वेरिफिकेशन पर रोक से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार। औरु झाव दिया कि आधार, राशन कार्ड को ाी पहचान पत्र माना जाए।
- छग सरकार ने कलेक्टरों को दिया तीन माह के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम का अधिकार।
- पांच देशों की यात्रा के बाद पीएम मोदी आज स्वदेश लौट आ गए।
- गुजरात का महिसागर पुल ढह जाने से 17 लोगों की जान गई।

मज़दूरों की अखिल भारतीय हड़ताल की बड़ी सफलता एक चेतावनी

■ **पी. सुधीर**

9 जुलाई को ऐतिहासिक हड़ताल में करोड़ों मेहनतकश लोग सड़कों पर उतर आये। पहले से तय इस हड़ताल को पहलगाम में निर्दोष नागरिक पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बाद लगभग डेढ़ महीने के लिए स्थगित करना पड़ा था। फिर भी, लोगों पर थोपी गयी मज़दूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ़ प्रतिरोध की भावना अडिग रही।

मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष को तब और बल मिला जब सरकार ने तीन प्रमुख श्रम संहिताओं- औद्योगिक संबंध (आईआर) संहिता; व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां (ओएसएच) संहिता; और सामाजिक सुरक्षा संहिता - को पारित किया। वेतन संहिता, 2019 के साथ, ये चार संहिताएं-44 मौजूदा श्रम कानूनों को समेकित और प्रतिस्थापित करती हैं। ये संहिताएं श्रमिकों के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं- वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा एवं कल्याण- से संबंधित हैं। संक्षेप में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा संचालित कॉर्पोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ के एजंडे को आगे बढ़ाने के लिए श्रमिक वर्ग के कठिन परिश्रम से प्राप्त अधिकारों को व्यवस्थित रूप से समाप्त किया जा रहा है।

मेहनतकश लोगों द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प, अपने कॉर्पोरेट प्रायोजकों और विदेशी सहयोगियों को खुश करने के लिए बेताब सरकार के लिए एक स्पष्टचेतावनी है। सरकार मेहनतकश लोगों की मांगों को स्वीकार करती है या नहीं, यह उन पर निर्भर है। लेकिन एक बात तय है: कोई पीछे नहीं हटेगा। यह लड़ाई और भी बढ़ेगी- और भी मजबूत लहरों तथा और भी व्यापक एकता के साथ - जो इसे आगे ले जायेगी।

9 जुलाई की हड़ताल का उद्देश्य इस हमले का प्रतिरोध करना था। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस हड़ताल को न केवल देश भर के सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों और औद्योगिक महासंघों का समर्थन प्राप्त था, बल्कि सभी प्रकार के श्रमिकों का भी समर्थन प्राप्त था। निर्माण क्षेत्र जैसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से लेकर वित्तीय क्षेत्र के कर्मचारियों, गिग श्रमिकों और प्रवासी श्रमिकों तक - सभी ने एक स्वर में अपनी आवाज़ उठायी।

किसानों के सबसे व्यापक मंच- संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का सक्रिय समर्थन और भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। चार श्रम संहिताओं को निरस्त करने की मांग का समर्थन करने के साथ-साथ, किसान संगठनों ने गहराते कृषि संकट को उजागर किया और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की लंबे समय से लंबित मांग को उठाया। कृषि श्रमिक संघों ने ग्रामीण रोज़गार और मनरेगा योजना के लगातार क्षरण पर गंभीर चिंताएं जतायीं।

मज़दूरों, किसानों और खेतिहर मज़दूरों का यह एकजुट होना एक ऐतिहासिक क्षण है - शायद पहली बार इतनी व्यापक एकता उभरी है। यह आजीविका के व्यापक और गहराते संकट को दर्शाता है जिसका सामना देश के अधिकांश मेहनतकश लोग अब कर रहे हैं।

एक तरह से, यह अब केवल आजीविका का संकट नहीं रहा, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई बन गयी है। 9 जुलाई की कार्रवाई की तीव्रता प्रस्तावित श्रम संहिताओं द्वारा उत्पन्न व्यापक खतरे से उपजी थी, जो लगभग सभी नियामक ढांचों को ध्वस्त करके और मज़दूरों के लिए बची-खुची कानूनी सुरक्षा को भी छीनकर कॉर्पोरेट्स को पूरी तरह से खुली छूट देने का संकेत देती हैं। यह बेहद विडंबनापूर्ण है कि सरकार ने इन संहिताओं को मज़दूर-समर्थक पहल के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

सत्ता प्रतिष्ठान की बहादुरी के बावजूद, यह बात तेज़ी से साफ़ होती जा रही है कि सरकार अपने इस पाखंड के बढ़ते सार्वजनिक प्रदर्शन से वाकिफ़ है। काम की स्थितियां इतनी ज़्यादा और इतनी बुरी तरह बिगड़ चुकी हैं कि अब उन्हें नकारा नहीं जा सकता। मेहनतकश जनता की बदतर होती स्थिति के दो प्रमुख कारण हैं- बढ़ती बेरोज़गारी और असमानता में तेज़ वृद्धि।

यहां तक कि 31 जनवरी, 2025 को संसद में पेश किये गये आर्थिक सर्वेक्षण 2024 को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना पड़ा। इसमें कहा गया है कि सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में श्रम की हिस्सेदारी में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन कॉर्पोरेट मुनाफ़े में असमान रूप से वृद्धि हुई है - खासकर बड़ी कंपनियों में - जो आय असमानता की बढ़ती खाई को रेखांकित करता है।

सरकार ने जहां मज़दूरों और अन्य मेहनतकश तबकों के अधिकारों पर व्यापक हमला किया, वहीं दूसरी ओर उसने कॉर्पोरेट्स को 1.45 लाख करोड़ रुपये का अभूतपूर्व तोहफ़ा भी दिया, जो शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कुल बजट आवंटन से भी ज़्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में भयावह सामाजिक स्थितियां स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती हैं, और कुछ अर्थशास्त्रियों ने तो यहां तक कहा है कि आज भारत में असमानता ब्रिटिश शासन के दौरान देखी गयी असमानता से भी अधिक है।

इसके विपरीत, कॉर्पोरेट अभिजात वर्ग की संपत्ति में नाटकीय वृद्धि देखी गयी है। 2014 में 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले अरबपतियों की संख्या 100 थी; अब यह आंकड़ा दोगुना होकर 200 हो गया है। शीर्ष 100 अरबपतियों की संयुक्त संपत्ति 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (10 खरब रुपये से अधिक) को पार कर गयी है। धन का यह अत्यधिक संचय, बहुसंख्यक कामकाजी लोगों की वास्तविक आय में भारी गिरावट के साथ-साथ चला है। यह गहरा अन्याय है, जो हर सांस और पसीने की बूंद में महसूस किया जाता है, जिसकी अभिव्यक्ति 9 जुलाई को हुए जन आंदोलन में हुई।

श्रम संहिताएं अनिवार्य रूप से 'श्रम बाजार लचीलेपन' की बहुप्रचारित अवधारणा को संस्थागत रूप देने का काम करती हैं- एक अवधारणा जो पहली बार भाजपा के 2009 के चुनाव घोषणापत्र में सामने आयी थी। हकीकत में, यह क्रूर जब मन हो 'नौकरी दो और निकाल दो' व्यवस्था के लिए एक व्यंजना से अधिक कुछ नहीं है, जो वर्तमान में न्यूनतम सुरक्षा को भी समाप्त करने में सक्षम है।

श्रम के व्यापक ठेकाकरण के कारण, केवल लगभग 4 प्रतिशत कार्यबल ही आउटसोर्सिंग के दायरे और शोषणकारी 'स्वेटशॉप' वातावरण से बाहर रह गया है। श्रम संहिताओं का ज़ोर कार्यबल के इस छोटे से हिस्से के भी ट्रेड यूनियन अधिकारों को और कमज़ोर करने पर है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान के अनुरूप है, जिसकी विशिष्ट विशेषता ट्रेड यूनियनों और उनके सामूहिक सौदेबाजी के अधिकारों का विघटन रही है।

सरकार के दावे इतने हास्यास्पद हो गये हैं कि अब वह भारत को दुनिया की चौथी सबसे समान अर्थव्यवस्था घोषित करने के लिए संदिग्ध शोध का हवाला दे रही है, जो एक स्पष्ट रूप से बेतुका दावा है। ऐसा करते हुए, वह आय के आंकड़ों की जगह व्यय के आंकड़ों को पेश कर रही है, जो जितना विचित्र है उतना ही बेईमान भी है।

9 जुलाई को मेहनतकश लोगों द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प, अपने कॉर्पोरेट प्रायोजकों और विदेशी सहयोगियों को खुश करने के लिए बेताब सरकार के लिए एक स्पष्ट चेतावनी है। सरकार मेहनतकश लोगों की मांगों को स्वीकार करती है या नहीं, यह उन पर निर्भर है। लेकिन एक बात तय है- कोई पीछे नहीं हटेगा। यह लड़ाई और भी बढ़ेगी- और भी मजबूत लहरों तथा और भी व्यापक एकता के साथ - जो इसे आगे ले जायेगी।

महाराष्ट्र : एक बार फिर से दहाड़ रहा है बाघ

बालासाहेब केशव ठाकरे द्वारा 1966 में शिवसेना की स्थापना के बाद से लगभग छह दशकों तक उनकी पार्टी एक ऐसे राज्य में राजनीति की केंद्र रही है जो पारम्परिक रूप से कांग्रेस शासित था। पश्चिमी महाराष्ट्र के शक्कर क्षत्रपों का राज्य पर नियंत्रण था। दहाड़ता बाघ शिवसेना का पर्याय बन गया था। शिवसेना जल्द ही 'मराठी मानुष' के लिए नौकरियों की तलाश करने वाले एक सामाजिक संगठन से हिंदू हितों की हिमायत करने वाली राजनीतिक पार्टी में बदल गई। एक क्षेत्रीय संगठन से साम्प्रदायिक संगठन में बदलाव, सड़क से राज्य स्तर की पार्टी बनने की प्रक्रिया इसके संस्थापक की लोकप्रियता के आसपास घूम रही थी। शिवसेना को 1989 में धनुष-बाण चुनाव चिह्न प्रदान किया गया और शिवसेना पूरे राज्य और महाराष्ट्र से बाहर भी पहचानी जाने लगी लेकिन जैसे-जैसे वह विभाजित और बंटती चली गयी, उसका दबदबा लगातार घटता गया। चुनाव आयोग ने फरवरी, 2023 में शिवसेना के एक गुट को पार्टी का चुनाव चिन्ह प्रदान किया और बाघ की दहाड़ कम हो गयी। अलग होने के दो दशक बाद अब बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे और भतीजे राज ठाकरे फिर से मिल गए हैं। 2005 के बाद से 5 जुलाई 2025 को वर्ली में आयोजित एक संयुक्त रैली उनका पहला साझा मंच था। 'आवाज मराठीचा' या 'मराठी की आवाज' रैली का आयोजन प्राथमिक स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव के विरोध में किया गया था।

लेखा रत्तनानी

चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं। भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है।

त्रिभाषा फॉर्मूले को हिंदी थोपने के रूप में देखा जाता है। इस फार्मूले का दक्षिणी राज्यों में विरोध हो रहा है। तमिलनाडु में हिंदी का सबसे कड़ा विरोध हो रहा है। वहां इसे राज्य की भाषाई पहचान को कमजोर करने और केंद्र सरकार के सांस्कृतिक प्रभुत्व के प्रयास को आगे बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है। महाराष्ट्र में इसने ठाकरे बन्धुओं को उस जमीन को पुन: प्राप्त करने के लिए एक अवसर प्रदान किया जिसे वे लगातार खो रहे थे। अपनी प्रासंगिकता को पुन: प्राप्त करने के लिए उन्होंने अब मराठी पहचान के एक शक्तिशाली आख्यान को पुनर्जीवित किया है।

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद भी कुछ खास राजनीतिक प्रगति नहीं कर पाई है। 2024 के चुनावों में मनसे 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत पाई जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) केवल 20 सीटें ही जीत सकी। बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती शिवसेना में खतरे, भय और करिश्मे के मिश्रण ने कैडर और समर्थकों दोनों को कंट्रोल में रखा। राज ठाकरे ने हमेशा मसल पॉवर और गरज के साथ पार्टी का नेतृत्व किया। उन्होंने पार्टी की छात्र शाखा भारतीय विद्यार्थी सेना का गठन किया और बाद में 1990 के विधानसभा चुनावों में शिवसेना उम्मीदवारों के लिए राज्य भर में प्रचार अभियान शुरू किया। उन्हें अपने चाचा के उत्तराधिकारी के रूप में देखा गया। शैली, ढंग और वाणी में वे बाल ठाकरे के करीब थे। जब विरासत की जिम्मेदारी बाल ठाकरे के बेटे और उनके चचेरे भाई उद्धव के पास गई तो वे वहां से हट गए।

भाजपा ने उद्धव के साथ साझा नेतृत्व का वादा किया था लेकिन यह वादा निभाया नहीं। नाराज उद्धव ने भाजपा पर विश्वासघात का आरोप लगाने के बाद 2019 में राज्य पर शासन करने के लिए कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ गठबंधन किया। भाजपा ने शिवसेना को तोड़कर राज्य में सत्तारूढ़ शिवसेना से अलग हुए एक धड़े के नेता एकनाथ शिंदे के साथ गठबंधन किया। इसके बाद वे एनसीपी को विभाजित करने के लिए आगे बढ़े। शरद पवार के भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाला एक अलग एनसीपी गुट अब भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति या महागठबंधन का हिस्सा है जो महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन है।

चचेरे भाईयों का मुख्य उद्देश्य भाजपा को चुनौती देना और फिर से जमीन हासिल करना है क्योंकि दोनों भाईयों की निकाय चुनावों पर नजर है। इनके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण वृहद मुंबई नगर निगम के चुनाव हैं जो एशिया में सबसे अमीर नागरिक निकाय है और कई भारतीय राज्यों से इसका वार्षिक बजट बड़ा है। 2025-26 के लिए इसका बजट 74, 400 करोड़ रुपये से अधिक है। इस समय भाजपा 132 सीटों के साथ राज्य में मुख्य पार्टी है। आगामी निकाय चुनाव दिखाएंगे कि क्या भाजपा अपना यह रुतबा कायम रख सकती है। शिवसेना से अलग हुई पार्टी के प्रमुख एकनाथ शिंदे ठाकरे की राज्य विधानसभा में 52 सीटें हैं। शिंदे ही ठाकरे परिवार के पुनर्मिलन के नए घटनाक्रम के मद्देनजर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले नेता हैं। खुद को बाल ठाकरे के असली उत्तराधिकारी के रूप में पेश करने वाले शिंदे की शिवसेना सुप्रीमो के बेटे और भतीजे के सामने कोई हैसियत नहीं रह जाएगी।

चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं । भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है लेकिन यदि वे ताकत की राजनीति अपनाते हैं तो यह नीति गैर-मराठी मतदाताओं की पर्याप्त संख्या को अलग-थलग कर सकती है। मनसे कैडर ने अतीत में बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रवासियों पर हमले किये हैं एवं उन पर स्थानीय लोगों की नौकरियां छीनने का आरोप लगाया है।

नया गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीतिक कहानी में एक मोड़ जोड़ रहा है लेकिन इस जोड़ी में अस्थिरता तथा मतभेद हैं जो दोनों के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव के बारे में संदेह पैदा करते हैं। उद्धव ठाकरे अपनी सौम्य और शांत कार्यशैली के साथ विपक्ष में अपने नए सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाने में अधिक सफल रहे हैं जबकि राज ठाकरे की दहाड़ जारी है और उनके कैडर ने मुंबई में प्रवासियों को अलग-थलग करने का जोखिम उठाया है। मुंबई में काम करने वालों में प्रवासियों का बड़ा हिस्सा है। अनुमान कम-ज्यादा हो सकते हैं लेकिन 2011 की जनगणना के अनुसार मुंबई की आबादी में प्रवासियों की संख्या 43 प्रतिशत से अधिक थी। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या लगभग 41 प्रतिशत थी।

पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद से महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी दोनों के टूटने के साथ बहुत सारे राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। परिवर्तनों की तेज रफ्तार तथा बड़ी संख्या ने मतदाता को भ्रमित किया है कि कौन किसके साथ है? क्या ठाकरे गठबंधन इस अस्थिर परिदृश्य में कुछ बदलाव ला सकता है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या वे कामकाज की दो अलग-अलग शैलियों में समन्वय बिठा सकते हैं।

कह नहीं सकते कि बाल ठाकरे के वर्षों के जादू को फिर से कायम करने में दोनों चचेरे भाई सक्षम होंगे या उसके कुछ करीब तक पहुंच सकते हैं अथवा नहीं।

(लेखक द बिलियन प्रेस की प्रबंध संपादक हैं।
सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

खेल जगत

अब चीजें ढपहले के मुकाबले बेहतर : वियान मुल्डर

बुलावायो। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने कहा है कि ब्रायन लारा ने उनसे कहा था कि उन्हें टेस्ट में सर्वाच्च व्यक्तिगत स्कोर का उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना चाहिए था। बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मुल्डर ने लंच ब्रेक के दौरान पारी घोषित कर दी थी तब मुल्डर 367 के निजी स्कोर पर नाबाद थे। इस फैसले के बाद मुल्डर 2004 में, एंटीगा में इंग्लैंड के खिलाफ लारा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड नाबाद 400 रन से 33 रन दूर रह गए थे। मुल्डर ने पारी घोषित करने के बाद कहा था कि लारा का रिकॉर्ड लारा के नाम ही रहना चाहिए लेकिन बाद में उन्होंने खुलासा किया कि इस मामले पर लारा की दूसरी राय थी। मुल्डर ने सुपरस्पोर्ट से कहा कि अब चीजें पहले के मुकाबले बेहतर हुई हैं। मेरी ब्रायन लारा से भी बात हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं अपनी लीगेसी बना रहा हूं और मुझे रिकॉर्ड के लिए जाना चाहिए था।

लॉर्ड्स में दिखा जसप्रीत बुमराह का जलवा

■ 20 रन देकर तीन विकेट झटके

लॉर्ड्स, 11 जुलाई (एजेंसियां)। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन के पहले सत्र के शुरुआती ओवरों में जसप्रीत बुमराह के दिए तीन झटकों से इंग्लैंड टीम ने खुद को उबार लिया। पहले सत्र की समाप्ति के समय इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 353 रन बना लिए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ 51 और ब्रायडन कार्स 33 रन पर खेल रहे हैं। इसके पहले इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 251 रन से पहले सत्र की शुरुआत की थी। पहले दिन 99 पर नाबाद लौटे जो रूट ने दिन की पहली ही गेंद पर अपना शतक पूरा किया। इसके बाद मैदान पर जसप्रीत बुमराह का जलवा दिखा। बुमराह ने 20 रन के अंदर तीन विकेट निकाल दिए। रूट 104 और स्टोक्स 44 रन बनाकर बुमराह की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद क्रिस वोक्स को भी बुमराह ने आउट किया। 251 पर 4 से दिन की शुरुआत करने वाली इंग्लैंड 271 पर 7 विकेट गंवाकर चिंताजनक स्थिति में आ गई। 7 विकेट खोने के बाद इंग्लैंड की पारी 300 के ऊपर जाती नहीं दिख रही थी। लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने इंग्लैंड की पारी को संभाला और लंच तक विकेट नहीं गिरने दिया।

लंच तक इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 353 रन बना लिए। दोनों के बीच 82 रन साझेदारी हो चुकी है। स्मिथ 51 और कार्स 33 पर नाबाद हैं। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाज पूरी तरह दिन के पहले सत्र में प्रभावी नहीं रहे। बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में आराम दिया गया था।

भारत को रेड्डी जैसे खिलाड़ियों की जरूरत : कुंबले

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने दो विकेट लेकर भारतीय गेंदबाजी में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उन्होंने दो विकेट लिए और भारत के पूर्व स्पिन गेंदबाज अनिल कुंबले ने रेड्डी की तारीफ करते हुए उन्हें एक उभरता हुआ ऑलराउंडर बताया। कुंबले ने कहा कि भारत को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो बीच-बीच में साझेदारियों को तोड़ सकें और तेज गेंदबाजों को थोड़ी राहत दे सकें। लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन नितीश ने नई गेंद से उम्दा गेंदबाजी की। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें 14वें ओवर में गेंद थमाई और रेड्डी ने अपने पहले ही ओवर में इंग्लैंड के दोनों ओपनरों बेन डकेट और जैक क्रॉली को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। रेड्डी ने डकेट को लेग साइड की गेंद पर फंसाया, जब वह पुल शॉट खेलने में चूक गए। उनकी अगली ही गेंद पर ओली पोप ने एज किया, लेकिन गिल स्लिप में कैच नहीं पकड़ पाए।

गेंदबाजी में सुधार का श्रेय पैट कमिंस और मॉर्कल को: रेड्डी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। भारत के बल्लेबाजी ऑलराउंडर ने एंडरसन तेंडुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पाच टेस्ट मैचों की सीरीज लॉर्डस में बृहस्पतिवार को शुरू हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जाक क्रॉली को अपने एक ही ओवर में आउट कर सभी को चौंका दिया। बॉर्डर गावसकर ट्रॉफी के दौरान पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ नीतिश रेड्डी मेलबर्न टेस्ट में भारत के लिए बढ़िया शतक जड़ सुर्खियों में आए थे। जसप्रीत बुमराह,मोहम्मद सिराज और आकाश दीप जैसे अपने वरिष्ठ साथी तेज गेदबाजों की त्रिमूर्ति की मौजदूदगी में नीतिश रेड्डी की रफ्तार सबसे कम और इसीलिए वह अपने तीन साथियों के मुकाबले गेंद को ज्यादा स्विंग कराने में कामयाब रहते है और सीम का भी बेहतर इस्तेमाल करते है। रेड्डी की कोशिश बुमराह से भी ज्यादा गेंद को सीम कराने के साथ स्टंप को निशाना बना कर ज्यादा गेंदबाजी करते हैं। भारत के ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी ने अपनी गेंदबाजी में सुधार का श्रेय आईपीएल में अपनी सनराइजर्स हैदराबाद टीम के कप्तान तेज गेंदबाज पैट कमिंस और टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मॉर्केल को दिया। नीतिश रेड्डी ने पहले दिन के खेल के बाद संवाददाताओं से मुखातिब होते हुए कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मैंने महसूस किया कि मुझे अपनी गेंदबाजी सुधारने के साथ इसमें निरंतरता भी लाने की जरूरत है। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला और तब वहां मेरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट के हर फॉर्मेट में बतौर तेज गेंदबाज शानदार गेंदबाजी कर चुके कमिंस थे।

मैं एमएस धोनी को अपना युगल पार्टनर चुनूंगा : सूर्यकुमार

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन रॉयल बॉक्स में सितारों का आना जारी है, ऐसे में भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव भी वहां रुकने वाले नए भारतीय क्रिकेटर हैं। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स और जियोहॉटस्टार से टेनिस के प्रति अपने प्रेम, अपने खेल के दिग्गजों और अपने जीवन में क्रिकेट-टेनिस के अप्रत्याशित मेल के बारे में बात की। विंबलडन में पहली बार आने की वजह पर सूर्या ने कहा कि मैं टेलीविजन पर टेनिस काफी देखता हूं। मैंने हमेशा सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में सुना है, खासकर जब आप अंदर कदम रखते हैं। मैं यहां उस अद्भुत एहसास का अनुभव करने आया हूं। विंबलडन में पहली बार टेनिस देखने और अपने सूट के पीछे की प्रेरणा के बारे में उन्होंने कहा कि मैं पहली बार यहां आया हूं, और मैं सब कुछ सही करना चाहता था। सच कहूं तो, मेरी पत्नी मेरा बहुत ख्याल रखती है। वह पिछले तीन-चार दिनों से मेरे साथ रही है और मुझे इस शानदार टूर्नामेंट में क्या पहनना है, यह तय करने में मदद कर रही है। इतने सारे लोग बड़ी संख्या में आए हैं, मैं भी उनमें से एक हूं, बस यही अनुभव करने आया हूं। जिन सितारों को देखने का वह बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, उनके बारे में सूर्या ने कहा कि मैं निश्चित रूप से नोवाक जोकोविच को देखने आया हूं। मैं बहुत लंबे समय से उनके करियर पर नजर रख रहा हूं। मैंने उनकी किताब 'सर्व टू विन' भी पढ़ी है, जिसने मुझे वाकई प्रेरित किया। मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण थोड़ी देर से किया, हालांकि 30 साल की उम्र ज्यादा नहीं, लेकिन मैं उनके सफर और दृढ़ता से खुद को जोड़ पाया। जिस तरह से वह आगे बढ़ते रहते हैं, वह अद्भुत है। सूर्या ने अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ियों, भूतपूर्व और वर्तमान, के बारे में कहा कि अगर हम ख़ास तौर पर विंबलडन की बात कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से पीट सम्प्रास और रोजर फेडरर।

मैं टेलीविजन पर टेनिस काफी देखता हूं। मैंने हमेशा सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में सुना है, खासकर जब आप अंदर कदम रखते हैं। मैं यहां उस अद्भुत एहसास का अनुभव करने आया हूं : सूर्यकुमार यादव

आज से शुरू होगी नेशनल कार्टिंग चैम्पियनशिप

कोयंबटूर, 11 जुलाई (एजेंसिसां)। 12 जुलाई से राष्ट्रीय कार्टिंग चैम्पियनशिप की शुरुआत हो रही है। इसमें 10 टीमों से कुल 74 युवा खिलाड़ी चार अलग-अलग कैटेगरी- सीनियर मैक्स, जूनियर मैक्स, मिनी मैक्स और माइक्रो मैक्स में हिस्सा ले रहे हैं। नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप 2025 के छह राउंड के बाद, ग्रैंड फिनाले 8-9 नवंबर को होगा। सीनियर मैक्स, जूनियर मैक्स, मिनी मैक्स और माइक्रो मैक्स श्रेणियों में चुने गए चार राष्ट्रीय चैंपियन, बहरीन में रोटैक्स मैक्स चैलेंज ग्रैंड फाइनल (29 नवंबर से 6 दिसंबर) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 2025 सीजन में 11 वर्ष से कम आयु के रेसर्स के लिए मिनी मैक्स श्रेणी की शुरुआत की जाएगी, जिसे माइक्रो और जूनियर मैक्स वर्गों के बीच रखा जाएगा। सीनियर मैक्स में 34 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। बेंगलुरु के रेसर रिशोन राजीव (बिरेल आर्ट इंडिया) और पेरेग्रीन रेसिंग के रोहान मदेश और ईशान मदेश भाइयों के दबदबे की उम्मीद है, जबकि इन तीनों के बीच मुकाबला कड़ा और रोमांचक होने की संभावना है। जूनियर मैक्स वर्ग में पिछले साल के चैंपियन पुणे के अराफात शेख (क्रेस्ट मोटरस्पोर्ट्स) और चेन्नई के ईशांत वेंगटेसन (एमस्पोर्ट) हिस्सा लेंगे, जिनके खिलाफ कई नए खिलाड़ी उतरेंगे। मिनी मैक्स वर्ग में प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होने की उम्मीद है, जिसमें कई रेसर माइक्रो मैक्स से आगे बढ़े हैं। रिवान देव प्रीतम (चेन्नई, एमस्पोर्ट), हमजा बालासिनोरवाला (मुंबई, क्रेस्ट मोटरस्पोर्ट्स), रेहान खान रशीद (चेन्नई, एमस्पोर्ट), यथार्थ गौर और दानिश डालमिया (पुणे, रेयो रेसिंग), जो पिछले साल माइक्रो मैक्स वर्ग में लगातार पोडियम हासिल कर रहे थे, सभी नई मिनी श्रेणी में आ गए हैं। शीर्ष पांच के चले जाने से माइक्रो मैक्स के लिए जगह खाली हो गई है, जिसमें बेंगलुरु के पेरेग्रीन रेसिंग के शिव तुम्माला और मुंबई के रेयो रेसिंग के आरव सुरेखा सबसे आगे हैं।

इंग्लैंड में ऐतिहासिक टी-20 सीरीज जीतने पर मंधाना ने कहा-

टीम की हर खिलाड़ी में थी जीत की भूख

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओर से इंग्लैंड में पहली बार टी-20 सीरीज जीतने के बाद, स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने सीरीज में अब तक टीम के ऑलराउंड प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि सभी की आंखों में जीत की भूख थी, जो सभी के प्रदर्शन में दिखाई दी। भारत ने बुधवार रात ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथा टी20 मैच छह विकेट से जीतकर इतिहास रच दिया। इस मैच में, दीप्ति शर्मा झूलन गोस्वामी के बाद 300 अंतरराष्ट्रीय विकेट तक पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में मंधाना ने कहा कि जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने चारों मैचों में गेंदबाजी की। यहां तक कि तीसरे टी20 में भी उन्होंने जिस तरह से वापसी की। उन्होंने विपक्षी टीम को आखिरी 4-5 ओवरों में रोका और 25 के आसपास रन दिए। हमारी टीम फील्डिंग को लेकर स्पष्ट थी। मैं वास्तव में इसे इन दो पहलुओं का नतीजा मानूंगी। जिस तरह की स्पष्टता और जिस तरह की फील्डिंग सभी ने की है। उन्होंने आगे कहा कि निश्चित रूप से सभी काफी फिट दिख रहे हैं। इसलिए मैं यही कहूंगी कि इसका बहुत सारा श्रेय उन्हें जाता है। मुझे लगता है कि सीरीज से पहले उन पर काफी दबाव था। लेकिन जिस तरह से वे यहां आए और गेंदबाजी की, उससे मुझे बहुत खुशी हुई। उन्होंने आगे कहाए कि हर कोई वाकई बहुत उत्साहित था। हर कोई जाने के लिए तैयार था। हम बस सही समय का इंतजार कर रहे थे। कभी-कभी आपको ऐसा एहसास होता है कि हर कोई आपके साथ है। वह भूख हर किसी की आंखों में थी और मुझे लगता है कि यह प्रदर्शन में साफ झलक रहा था। भारतीय टीम ने 2006 में इंग्लैंड के बीच हुए पहले टी-20 मुकाबले में उसे हराया था, लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में जीत से पहले उसने इंग्लैंड के खिलाफ कोई भी टी-20 सीरीज नहीं जीती थी। मंधाना ने कहा कि हमने बैठक में इस बात पर चर्चा की कि हम इतिहास रचने के करीब हैं क्योंकि हमने इंग्लैंड को टी20 सीरीज में कभी नहीं हराया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को धवन ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड की धरती पर पहली बार ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीत दर्ज करने पर बधाई दी। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए पांच मैचों की सीरीज के चौथे मैच में छह विकेट से जीत हासिल कर छोटे प्रारूप की सीरीज पर कब्जा किया। इस जीत से टीम ने न सिर्फ सीरीज अपने नाम कर ली, बल्कि 3-1 की अजेय बढ़त भी बना ली। धवन ने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर लिखा, भारतीय क्रिकेट के लिए क्या ही पल है। इंग्लैंड में अपनी पहली टी20 सीरीज जीत के साथ इतिहास रचने के लिए हमारी महिला टीम को सलाम। आप सभी ने एक मिसाल कायम की है और कई लड़कियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। जीत के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की और एकजुट होकर खेलने के लिए अपनी टीम की सराहना की।

सार संक्षेप

कार्लसन ने बिना कोई मोहरा गंवाए चैटजीपीटी को हराया

नई दिल्ली। शतरंज के दिग्गज मैग्नस कार्लसन, जो पहले ही पांच क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप और रैपिड तथा ब्लिट्ज दोनों प्रारूपों में शीर्ष वैश्विक रैंकिंग के साथ ओवर-द-बोर्ड शतरंज की दुनिया में अपना दबदबा बना चुके हैं, अब अपना ध्यान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चुनौतियों का सामना करने पर केंद्रित कर रहे हैं। नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने हाल ही में ओपनएआई के संवादी एआई, चैटजीपीटी के साथ शतरंज के खेल में मुकाबला किया और बिना एक भी मोहरा गंवाए निर्णायक जीत हासिल की। कार्लसन ने 53 चालों के बाद एआई को हार मानने पर मजबूर कर दिया। अपनी जीत के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए, कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं कभी-कभी यात्रा करते समय ऊब जाता हूँ। तस्वीरों में चैटजीपीटी अपनी हार स्वीकार करते हुए कह रहा है, मेरे सारे मोहरे चले गए हैं। आपने एक भी मोहरा नहीं गंवाया है। आपने अपनी जीत की शर्त पूरी तरह से पूरी की... जैसा कि तय हुआ था, मैं हार मानता हूँ।

डूरंड कप भव्य ट्रॉफी यात्रा के साथ एक बार फिर इंफाल लौटा

इम्फाल। एशिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की ट्रॉफियों का आज इम्फाल में भव्य स्वागत किया गया। दो साल के अंतराल के बाद, यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट एक बार फिर मणिपुर की राजधानी लौटा है। इस अवसर पर आयोजित ट्रॉफी टूर के तहत डूरंड कप की तीनों चमचमाती ट्रॉफियों - मूल डूरंड कप, रोलिंग शिमला ट्रॉफी और प्रेसिडेंट्स कप - को सिटी कन्वेंशन सेंटर, इम्फाल में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला थे। उनके साथ मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह आईएएस, तथा भारतीय सेना और सुरक्षा बलों के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल भल्ला ने कहा कि 134वें डूरंड कप टूर्नामेंट का एक बार फिर इंफाल में आयोजन किया जाना हमारे राज्य की फुटबॉल के प्रति गहरी भावना और नागरिक तथा सैन्य संस्थानों के संयुक्त प्रयासों का प्रमाण है।

राहुल द्रविड़ और स्टीव स्मिथ से आगे निकले जो रूट

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में शतक बनाकर दिग्गज राहुल द्रविड़ और स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक टेस्ट शतकों की सूची में शीर्ष पांच में जगह बना ली है। उनका नवीनतम शतक - उनका 37वां शतक - लॉर्ड्स में शानदार अंदाज में लगा। रूट अब सर्वकालिक टेस्ट शतक बनाने वालों की सूची में केवल सचिन तेंदुलकर (51), जैक्स कैलिस (45), रिकी पोंटिंग (41) और कुमार संगकारा (38) से पीछे हैं। उन्होंने क्रिकेट के इस मैदान पर अपना लगातार तीसरा शतक भी बनाया - इससे पहले उन्होंने 143 और 103 रन बनाए थे - जिससे वह जैक हॉब्स (1912-1926) और माइकल वॉन (2004-2005) के बाद लॉर्ड्स में लगातार तीन टेस्ट शतक बनाने वाले केवल तीसरे खिलाड़ी बन गए। भारत के खिलाफ उल्लेखनीय निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए, रूट का यह शतक उपमहाद्वीपीय दिग्गजों के खिलाफ टेस्ट मैचों में उनका 11वां शतक था। गौरतलब है कि रूट का नवीनतम कीर्तिमान 192 गेंदों में बना, जो इंग्लैंड के आक्रामक 'बैजबॉल' युग का तीसरा सबसे धीमा टेस्ट शतक है-जो केवल 2024 में रांची में उनके द्वारा बनाए गए 219 गेंदों के शतक और 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेन फोक्स के 206 गेंदों के शतक से धीमा है। रूट की प्रमुख उपस्थिति इंग्लैंड की लाल गेंद की महत्वाकांक्षाओं का आधार बनी हुई है, भले ही टीम ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में अपने आक्रामक दृष्टिकोण को नया रूप दे रही हो।

कर्टिस कैम्फर ने पांच गेंद में पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

■ वॉरियर्स 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 88 पर सिमट गई

डबलिन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। आयर्लैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर पेशेवर क्रिकेट में पांच गेंदों में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज हैं। मुनस्टर रेड्स के कप्तान कैम्फर ने इंटर-प्रोविंसियल टी-20 ट्रॉफी में नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। कैम्फर को अपने दूसरे से तीसरे ओवर के दौरान यह पांचों विकेट हासिल किए। वॉरियर्स 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 87/5 के बाद 88 पर सिमट गई।

पाँच विकेटों में से पहले विकेट जेरेड विल्सन 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए, जब कैंपर की गेंद स्विंग होकर ऑफ स्टंप से टकरा गई। अगली गेंद पर, ग्राहम ह्यूम बैकफुट पर पगबाधा हो गए यह इनस्विंगर उनके पैड पर लगी। इसके साथ ही कैंपर ने अपने अगले ओवर की शुरुआत में हैट्रिक बना ली और यह हैट्रिक तब आई जब 14वें ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्राइन डीप मिडविकेट की ओर स्लॉग शॉट खेलने में चूक गए। कैम्फर ने इस मैच कुल 2.3 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 16 रन देकर पांच विकेट झटके। कैम्फर ने अपनी इस उपलब्धि पर कहा कि ओवरों के बदलाव के बीच मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। मैं बस चीजो को बहुत सरल रखने पर बल दिया और सौभाग्य से मैं ऐसा कर पाने में सफल रहा। जब उनसे पूछा गया कि अगर कोई और बल्लेबाज आता तो क्या वह छह में से छह रन बना पाते, तो कैम्फ़र ने कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता। दोनों ही चीज़ें मुझे स्वीकार्य होतीं। मैं बस खेलकर खुश हूं।

उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी-20 सीरीज से बाहर होने के बाद यह कैम्फर का दूसरा मैच था। मंगलवार को लेइनस्टर लाइटनिंग के खिलाफ अपने वापसी मैच में उन्होंने 35 गेंदों पर 57 रन बनाए थे, लेकिन गेंदबाजी नहीं की थी। गुरुवार को भी उन्होंने 24 गेंदों पर 44 रन बनाए और फिर पांच विकेट लिए। कैम्फर अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले गेंदबाजी की सूची में शामिल हैं यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी नहीं हैं।

नए पाकिस्तानी कोच ने बाबर और अफरीदी की वापसी की राह बताई

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के नए सीमित ओवरों के कोच माइक हेसन ने उन कदमों का खुलासा किया है जो अनुभवी जोड़ी बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए उठाने होंगे। बाबर और शाहीन ने 2021 और 2022 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरणों में पाकिस्तान को लगातार जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन हाल ही में वे टी20 विश्व कप में टीम से बाहर हो गए हैं और पिछले महीने की शुरुआत में घरेलू धरती पर बांग्लादेश को 3-0 से हराने वाली हेसन की पहली टीम में भी नहीं थे। हेसन ने सुझाव दिया कि बाबर और शाहीन दोनों ही अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए उनकी दीर्घकालिक योजनाओं में शामिल हैं और दोनों इस समय कराची में अपने साथियों के साथ एक प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं। ये साथी खिलाड़ी इस महीने के अंत में मीरपुर में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए बांग्लादेश जाएंगे। हेसन ने स्पष्ट किया कि बाबर की टीम में वापसी विकेटकीपर के रूप में पहली पसंद बनकर नहीं हुई, बल्कि पूर्व कप्तान अपने साथी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों फखर जमान और सैम अयूब के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो में से एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

हेसन ने कहा कि सबसे पहले, बाबर आजम को विकेटकीपिंग के विकल्प के रूप में नहीं देखा जा रहा है। पता नहीं यह कहां से आया, लेकिन मैंने यह अटकलें सुनी हैं। बाबर इस समय सलामी बल्लेबाजों में से एक के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। लेकिन जाहिर है कि इस समय हमारे पास फखर और सैम दोनों ही इन दो भूमिकाओं में हैं, इसलिए वह इसके लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बाबर का स्ट्राइक रेट 129.81 है, जो फखर (133.49) और अयूब (138.48) से कम है। हेसन ने स्वीकार किया कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को छोटे प्रारूप में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी रन गति बढ़ाने की जरूरत है।

भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण खेल संबंधों में गतिरोध बना हुआ है। भारत में इस साल बाद में एशिया कप और जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंटों का आयोजन होना है। पाकिस्तान इन टूर्नामेंटों के लिए अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम भेजने पर फैसला लेने से पहले भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा। पाकिस्तान सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि अगर कोई सुरक्षा खतरा होगा तो उनकी हॉकी टीम भारत नहीं भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मसूद ने कहा कि पाकिस्तान की हॉकी टीम टूर्नामेंट के लिए भारत तभी जाएगी जब सरकार सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट होगी। पूर्व मंत्री मसूद ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत में स्थिति से अगर वह संतुष्ट नहीं है, तो वह हमारे किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने के लिए भेजकर उसे जोखिम में नहीं डालेगा। उन्होंने बताया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत यात्रा करना सुरक्षित नहीं है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने भारत में होने वाले दो प्रमुख हॉकी आयोजनों के लिए राष्ट्रीय टीमें भेजने हेतु संबंधित मंत्रालयों से सलाह और अनुमति मांगी है।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

■ श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई

पल्लेकेले, 11 जुलाई (एजेंसियां)। कुसल मेंडिस (73) की शानदार अर्द्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने पहले टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को छह गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए पथुम निसंका और कुसल मेंडिस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरआत करते हुए पहले विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी की। पांचवें ओवर में मेहदी हसन मिराज ने पथुम निसंका को आउटकर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलाई। पथुम निसंका ने 16 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 42 रनों की पारी खेली। 13वें ओवर में कुसल परेरा 24 रन बनाकर आउट हुए। 18वें ओवर में श्रीलंका का तीसरा विकेट कुसल मेंडिस के रूप में गिरा। कुसल मेंडिस ने 51 गेंदों में पांच चौके ओर तीन छक्के लगाते हुए 73 रन बनाये।

श्रीलंका ने 19 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। अविष्का फर्नांडो 11 और कप्तान चरित असालंका एक रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश की ओर से मोहम्मद सैफुद्दीन, मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश के परवेज हुसैन इमॉन और तंजिद हसन ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। पांचवें ओवर में नुवान तुषारा ने तंजिद हसन (16) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान लिटन कुमार दास को जेफ्री वेंडरसे ने पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। नौवें ओवर में महीश तीक्षणा ने परवेज हुसैन इमॉन (22 गेंदों में 38) को आउटकर श्रीलंका को तीसरी सफलता दिलाई।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

गोल्ड मेडलिस्ट बिटिया का स्वागत

बैतूल, देशबन्धु। जिले की होनहार कराटे खिलाड़ी,वर्तमान मे मध्यप्रदेश राज्य कराटे अकादमी में प्रशिक्षणरत बिटिया कल्याणी कोड़ोपे ने देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय खेलो में कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के पश्चात थाईलैंड ओपन कराटे चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल तथा 9वीं साउथ एशियन चैंपियनशिप श्रीलंका में सिल्वर मेडल जीतने पर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं एवं अभिनंदन। पदक जीतने के उपरांत आज प्रथम बैतूल नगर आगमन पर बिटिया का हार्दिक स्वागत वंदन अभिनन्दन।

प्रहलाद पटेल मुलताई पहुंचे, लेंगे कार्यक्रमों में हिस्सा, रात को लौटेंगे

मुलताई/ बैतूल, देशबन्धु। पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मंत्री मध्यप्रदेश शासन प्रहलाद पटेल भोपाल शुक्रवार देर शाम मुलताई पहुंचे। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार ने उनका स्वागत किया। पटेल शनिवार को यहां विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और देर शाम भोपाल रवाना हो जाएंगे।

रोजगार मेले में 68 अभ्यार्थियों का चयन, हर कोई दिखा खुश

बैतूल, देशबन्धु। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में युवा संगम के तहत शुक्रवार को जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में किया गया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 158 आवेदकों ने पंजीयन कराया था। जिसमें 07 कम्पनियों के द्वारा 68 आवेदकों का प्राथमिक रूप से चयन कर 04 को लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए गए। रोजगार मेले के साथ ही आईटीआई में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ परिक्षण शिविर भी आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 92 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 36 जांच सिकलसेल की गई।

सांदिपनी विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम शुरू करने की उठी मांग

बैतूल, देशबन्धु। ग्रीन आर्मी युवा मंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और सरकारी स्कूल में अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई शुरू करने की पुरजोर मांग की। संगठन का कहना है कि गांव और कस्बे के सामान्य वर्ग के बच्चे भी आईएएस बनना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि शासकीय सांदिपनी कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैतूलबाजार में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई के अवसर सभी वर्गों को मिलना चाहिए।युवा मंडल के अध्यक्ष गजेन्द्र पवार और उपाध्यक्ष संजय पंडाग्रे ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में कहा कि विद्यालय का नवनिर्मित भवन लोकार्पित हो चुका है ।

खाद को लेकर बहुत परेशान है जिले का किसान

खाद संकट: आक्रोशित किसानों ने कर दिया चक्काजाम

खेड़ीसावलीगढ़/ बैतूल, देशबन्धु। किसान खाद को लेकर बहुत परेशान है। सरकारी दावों कहा गया है कि, खाद की कोई समस्या नहीं है जबकि धरातल पर किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। बैतूल जिला मुख्यालय के समीप ग्राम खेड़ीसावलीगढ़ शुक्रवार को सहकारी समिति के सामने यूरिया खाद की कमी को लेकर आक्रोशित होकर चक्काजाम कर दिया। जिससे खेड़ी परतवाड़ा मार्ग पर लंबा जाम लग गया। आवागमन बाधित हुआ। जिला कांग्रेस ने स्पष्ट कहा कि किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद की आपूर्ति जिले के सभी केंद्रों पर की जाए, जिससे किसानों को राहत मिल सके। यदि प्रशासन किसानों की इस पीड़ा को नहीं समझेगा, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर जवाब देगी।यहीं पर किसान धरने पर बैठ गए थे। स्थानीय पुलिस एवं सहायक प्रबंधक ने किसानों से चर्चा की शीघ्र ही किसानों को यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा। खाद की रैक लगी थी, खाद आया भी लेकिन अब स्टॉक आयेगा तो उन्हें खाद वितरित किया जाएगा, लेकिन किसान जिद पर अड़े रहे। किसानों को बैतूल तहसीलदार ने समझाया भी लेकिन किसानों का कहना था कि यह समय उनकी खेती के लिए खास है और ऐसे में ही खाद नहीं मिलेगा तो कैसे काम चल सकेगा।

खाद की सही व्यवस्था नहीं बनाई तो मजबूरन करना पड़ेगा आंदोलन

छोटे किसान दर-दर भटक रहे, रसूखदारों को घर बैठे मिल रही खाद: कांग्रेस अध्यक्ष

बैतूल, देशबन्धु। जिले में खरीफ की बुवाई के बाद अब किसानों को खाद की सख्त जरूरत है। लेकिन बाजारों में यूरिया खाद की किल्लत ने किसानों को बेबस कर दिया है। ऐसे हालात में जिले के किसानों की आवाज अब राजनीतिक गलियारों तक गूंजने लगी है। जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए खुली चेतावनी दे दी है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने शुक्रवार को बड़ा बयान देते हुए कहा कि यदि प्रशासन तीन दिनों के भीतर जिले में खाद की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं करता है तो कांग्रेस पार्टी जिले के हर ब्लॉक मुख्यालय पर जोरदार आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में प्रशासन की निष्क्रियता और व्यवस्थाओं की विफलता किसानों की कमर तोड़ रही है। हेमंत वागद्रे ने प्रशासन पर खाद वितरण में भेदभाव के आरोप लगाए हैं।

मप्र ग्रोथ कॉन्क्लेव में 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को दी सौगात, खिले चेहरे

बैतूल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव के अंतर्गत 11 जुलाई को इंदौर से वर्चुअल रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 और 2.0 के लाभ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में 1.0 के अंतर्गत प्रदेश में निर्मित 45,503 आवासों का गृह प्रवेश कराया गया, वहीं योजना 2.0 में 19,541 नव स्वीकृत आवासों के लिए पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा भी नगर पालिका के बाल सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 47 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया और 130 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। बैतूल में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर की अध्यक्षता रही। उनके साथ महेश राठौर उपाध्यक्ष, नितेश परिहार स्वास्थ्य समिति सभापति, रघुनाथ लोखंडे निर्माण समिति सभापति, तरुण ठाकरे कर निर्धारण एवं वसूली समिति सभापति, पार्षद सोमती धुर्वे, अशोक नागले, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश मटसेनिया सहित हितग्राही प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एकलव्य आईटीआई में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत रोपे 101 पौधे

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) मोहन नागर थे। उनके साथ संस्था परिसर में विद्यार्थियों एवं अतिथियों की उपस्थिति में 101 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया।

इस अवसर पर श्री नागर ने उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पेड़-पौधों के महत्व और पर्यावरण संतुलन में उनकी भूमिका को विस्तार से समझाया और युवाओं से अपील की कि वे प्रकृति के संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। पौधरोपण कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बारस्कर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आनंद प्रजापति, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, महेश्वर चंदेल, संजय सोलंकी, अंबेश बलवापुरी, श्रीमती रश्मि साहू, बबलू मालवी, राजा साहू और गोलू बत्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षकगण व संस्था के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। इस अभियान के अंतर्गत आईटीआई परिसर में 101 पौधे रोपे गए, जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए अधिकारियों को निर्देश

बैतूल, देशबन्धु। स्वास्थ्य सेवाएं भोपाल संभाग भोपाल क्षेत्रीय संचालक डॉ नीरा चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि बैठक में सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक से अधिक जन सामान्य तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। डॉ.नीरा चौधरी ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सभी सेवाएं समय पर दें एवं प्रत्येक मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु समीक्षा राज्य से दिए गए निर्देशानुसार एवं उचित प्रपत्र में जानकारी समय पर प्रेषित करें। समस्त ए.एन.सी. माताओं को छः एएनसी (सामान्य माताओ) की सेवाएं एवं हाई रिस्क गर्भवती माताओं को (आठ) ए.एन.सी. की सेवायें आवश्यक रूप से प्रदान करें। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत दिशा निर्देशानुसार समस्त हाईरिस्क गर्भवती माताओं को संस्था में जांच एवं आवश्यक रेफरल किया जाकर दी गई सेवाओं की जानकारी पीएमएसएमए पोर्टल में दर्ज की जाए। एचआरआई शिशु का चिन्हांकन कर रेफरल किया जाकर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिये। बैठक में सिविल सर्जन, आरएमओ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, समस्त खंड चिकित्सा आदि उपस्थित रहे।

चयनित पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्रों का किया वितरण

12 आवास गृहों में विधिवत प्रवेश हुआ घर का सपना पूरा होने पर छलके आंसू

बैतूल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एमपी ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत प्रदेश के 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को एक क्लिक के माध्यम से 1,513.53 करोड़ रुपये की अनुदान राशि का भी वितरण किया। इसी के अंतर्गत बैतूल जिले में भी कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका के बाल सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, उपाध्यक्ष महेश राठौर, सभापति नितेश परिहार, वरिष्ठ पार्षद रघुनाथ लोखंडे, पार्षद श्रीमती सोमती धुर्वे, अशोक नागले, एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतीश मत्सानिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बैतूल नगर पालिका अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत चयनित पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया।

विधायक श्रीमती गंगा बाई उईके ने डिजिटल क्लास रूम, ड्रोन तकनीक को सराहा

कल्याणपुर शाला में साइकिल वितरण एवं निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन, एक पेड़ मां के नाम रोपा पौधा

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर में शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण एवं विद्यालय में टीन शेड तथा साइकिल स्टैंड निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री एचआर झरबड़े द्वारा स्वागत भाषण से किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्रीमती उइके द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। उन्होंने विद्यालय में शासन द्वारा संचालित डिजिटल क्लासरूम, तकनीकी सुविधाओं से युक्त प्रयोगशाला, ड्रोन तकनीक के उपयोग तथा विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तकनीक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

श्री गजानन महाराज मंदिर में किया गण गण गणात बोते का जाप

बैतूल, देशबन्धु। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर कालापाठा स्थित श्री गजानन महाराज मंदिर में श्री गजानन ग्रुप क्षत्रीय लोणारी कुन्बी समाज की महिलाओं ने सामूहिक रूप से भक्ति भाव से ओतप्रोत श्री गजानन विजय ग्रंथ पोथी का पारायण किया। इस आयोजन में गजानन ग्रुप की सभी बहनें जामुनी रंग की एक जैसी साड़ी पहनकर पहुंची, जिसने उनकी एकता और समर्पण को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया। सभी बहनों ने एक लय में गण गण गणात बोते मंत्र का जाप किया। बहनों ने गुरुचरणों में समर्पण भाव रखते हुए पोथी पाठ के माध्यम से गजानन महाराज की आराधना की। कार्यक्रम के बाद सभी बहनों ने श्री गजानन महाराज की आरती कर प्रसाद ग्रहण किया।

परंपरा आगे भी निरंतर चलती रहनी चाहिए ताकि संस्कृति का भाव बना रहे

इस मौके पर गजानन ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती अल्का ताई साबले ने सभी बहनों को गुरु कृपा की अनंत शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि यह परंपरा आगे भी निरंतर चलती रहनी चाहिए ताकि समाज में भक्ति, सेवा और संस्कृति का भाव बना रहे।

अधिकारी सतत भ्रमण करते रहें, समस्या का तुरंत करें निदान : तिवारी

बैतूल, देशबन्धु। वर्षा ऋतु के दौरान सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ और सम्बन्धी विभागों के अधिकारी सतर्क रहें। सुरक्षा के सभी पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सार्वजनिक इमारतों, स्कूल भवनों, आंगनवाड़ियों, स्वास्थ्य केन्द्रों पर सतत नजर बनाएं रखें। जर्जर भवनों को तत्काल डिस्मेंटल कराएं। किसी भी प्रकार की जनहानि और धन हानि न हो यह सुनिश्चित किया जाएं। यह निर्देश संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री के जी तिवारी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट बैतूल में आयोजित बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, वन मंडल अधिकारी उत्तर नवीन गर्ग, वन मंडल अधिकारी वरुण यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, प्रशिक्षु आईएफएस सुंदर निवेदन , उपायुक्त नर्मदापुरम भी गणेश , अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हैं।

जलभराव, पेयजल, बिजली की समस्याएं आने पर जल्द निराकरण कराएं

उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि जनसामान्य के कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से किया जाएं। जनपद सीईओ, सीएमओ नगरपालिका , सड़क विभाग सतत अपने क्षेत्रों का भ्रमण करते रहे और सुनिश्चित करें कि सड़कों को स्थित अच्छी रहे। सड़कों पर गड्ढे होने की शिकायतों का त्वरित निराकरण कराएं। इसी प्रकार नाली के ब्लॉकेज ,पेयजल, बिजली , जलभराव की समस्याएं आने कर उनका तत्परता से समाधान कराएं।

सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के लिए एसडीएम जिम्मेदार :- संभागायुक्त तिवारी ने निर्देशित किया कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में संपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार हैं। विभागीय अधिकारियों से समन्वय और सहयोग से कार्य करना आपका प्रमुख उत्तरदायित्व हैं। इसी प्रकार विकास से जुड़े कार्यों में भी एसडीएम लीडरशिप लें। अपने क्षेत्र में फीड बैक सिस्टम डेवलप करें। नकारात्मक खबरों पर त्वरित एक्शन लिया जाएं। रोस्टर तय कर विभागों के कार्यों का निरीक्षण किया जाएं। उन्होंने सभी सीएमओ ,जनपद सीईओ और बीएमओ से वर्षा की तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कोई भी राजस्व प्रकरण ऑफलाइन दर्ज न होः- वन खंड व्यवस्थापन के प्रकरणों की अनुविभागवार समीक्षा कर संभागायुक्त श्री तिवारी ने कहा कि प्रकरणों में आवश्यक बिंदुओं का पालन कर उन्हें दर्ज कराएं। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों से ऑफलाइन दर्ज प्रकरणों के बारे में जानकारी और निर्देशित किया कि कोई भी प्रकरण ऑफलाइन दर्ज नहीं किया जाएं। ऑफलाइन दर्ज पाए जाने पर संबंधित एसडीएम के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम और एसडीओ फॉरेस्ट की जानकारी और समन्वय में कमी न हो। उन्होंने स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और अन्य संबंधित विभागों को वन विस्थापन के प्रकरणों का एसडीओ फॉरेस्ट से समन्वय कर निराकरण कराए। सभी राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर जाति प्रमाण पत्र बनाए जाएं।

पट्टा नवीनीकरण के प्रकरण लंबित न रहें, ई ऑफिस का प्रभावी क्रियान्वयन कराएं:- उन्होंने सभी एसडीएम से टेबल इंस्पेक्शन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि टेबल इंस्पेक्शन प्राथमिकता से किया जाएं। रीडर लॉगिन पर कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। राजस्व प्रकरणों के निराकरण के पश्चात उसे शीघ्र रिकॉर्ड रूम में सबमिट कराएं। उन्होंने कहा कि पट्टा नवीनीकरण के प्रकरण लंबित न रखें। पट्टा नवीनीकरण के लिए आवेदक द्वारा आवेदन नहीं किए जाने पर स्वप्रेरणा से नियमानुसार उनका निराकरण किया जाएं। यह प्रकरण अनिवार्य रूप से आरसीएमएस पर भी दर्ज किए जाएं। भू अर्जन के प्रकरणों का भी राजस्व अधिकारी शीघ्र निराकरण कराए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने ई ऑफिस के क्रियान्वयन की भी समीक्षा कर ई ऑफिस प्रणाली का प्रभावी और व्यवस्थित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

ब्लॉक स्पॉट का चिन्हांकन और निजी स्कूल वाहनों की जांच करें:- उन्होंने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम सुनिश्चित करे कि ज्ञात और अज्ञात वाहन से होने वाली दुर्घटना में राहत के प्रकरण लंबित न रहें। अपने क्षेत्र के थाने के साथ राहत प्रकरणों की सतत समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का ध्यान रखे।

समग्र ईकेवाईसी शीघ्र पूर्ण कराएं

संभागायुक्त श्री तिवारी ने समग्र आधार ईकेवाईसी की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ईकेवाईसी कार्य में प्रगति लाएं। एसडीएम इसकी सतत मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि मिशन कर्मयोगी पोर्टल पर भी सभी अधिकारी कर्मचारी अपना रजिस्ट्रेशन कराएं और प्रशिक्षण प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौध रोपण कराए और अनिवार्य रूप से फोटो अंकुर एप पर अपलोड किया जाएं।

स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास का अमला गंभीरता से कार्य करें

संभागायुक्त श्री तिवारी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में बाल मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए गंभीरता से कार्य करें। इस प्रकार पोषण आहार वितरण योजनाओं का भी प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन कराएं। सभी धात्री माताओं और बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन किया जाएं। आंगनवाड़ी अपने निर्धारित दिवसों पर अनिवार्य रूप से खुलें। आंगनवाड़ियों में बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत रहे।

एनसीसी में भर्ती के लिए छात्रों ने की मशक्कत

पुशअप, सिटअप और फिर दौड़ के बाद चुने गए रंगरूट

◆ उत्कृष्ट विद्यालय में एनसीसी भर्ती परीक्षा हुआ आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने के साथ ही विद्यालयों में सह शैक्षणिक गतिविधियां भी प्रारंभ हो चुकी है। देश की द्वितीय रक्षा पंक्ति कही जाने वाली एनसीसी की भर्ती प्रक्रिया भी विभिन्न विद्यालयों व कालेजों में शुरू है। जिले के सबसे प्राचीन और समन्वयक संस्था शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में डीजी एनसीसी एवं 13 एमपी बटालियन नर्मदापुरम के कमान अधिकारी ले.कर्नल अमरजीत सिंह छटवाल के निर्देशानुसार, प्राचार्य सत्येंद्र उदयपुरे के मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेटों की भर्ती की गई। जिसमें एनसीसी ऑफिसर ओम द्विवेदी ने जहाँ रंगरूटों का बौद्धिक व मानसिक स्तर परखा। वहीं बटालियन से आये आर्मी इंस्ट्रक्टर हवलदार नरेश और हवलदार सत्यदेव ने शारीरिक व मेडिकल परीक्षण किया। एनसीसी में भर्ती होने के लिए नव प्रवेशित छात्रों में शुक्रवार सुबह से उत्साह देखा गया। भर्ती के निर्धारित समय के पूर्व ही छात्र मैदान में मौजूद होकर तैयारी करते दिखाई दिये। एक सैकड़ा से अधिक छात्रों द्वारा भर्ती हेतु पंजीयन कराया था। संख्या अधिक होने से इन रंगरूटों को 4 ग्रुपों में बांटा गया था। इन ग्रुपों का टेस्ट लिया गया। जिसकी शुरुआत 400 मीटर के एक राउंड दौड़ से की गई। इसके बाद पुशअप एवं सिटअप कराए गए। ऊचाई व सीना की नपाई के साथ आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। भर्ती में सफल हुए सभी 50 रंगरुट छात्रों को एनसीसी ऑफिसर ओम द्विवेदी ने एकता और अनुशासन की शपथ दिलाई तथा एनसीसी से भविष्य के स्वर्णिम अवसरों की प्राप्ति कैसे करें से अवगत कराया। ये रंगरूट अब दो साल तक राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा जूनियर डिवीजन हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम का प्राथमिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। संस्था के पूर्व कैडेट ने बताया कि एनसीसी में वर्ष भर विभिन्न समसामयिक गतिविधियाँ कराई जाती है। जिससे कैडेट में नेतृत्व की क्षमता, सामाजिक सहयोग की भावना एवं व्यक्तित्व का विकास होता है। भर्ती प्रक्रिया के अवसर पर एनसीसी के पूर्व कैडेट, संस्था के द्वितीय वर्ष के सीनियर कैडेट सहित शाला के अन्य शिक्षकों मौजूद थे।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

बंडू लिखितकर को बनाया हिन्दू जागरण मंच का जिला सह संयोजक

बैतूल, देशबन्धु। हाल ही में गंजबासौदा में संपन्न हुए हिन्दू जागरण मंच के प्रांतीय अभ्यास वर्ग में युवा सामाजिक कार्यकर्ता और कोरकू समाज के सक्रिय प्रतिनिधि, अकास जिला अध्यक्ष बंडू लिखितकर को हिन्दू जागरण मंच का बैतूल जिला सह संयोजक नियुक्त किया गया है। इस अभ्यास वर्ग में लव जिहाद, धर्मांतरण, लैंड जिहाद सहित हिन्दू समाज के समक्ष खड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। इस विशेष सत्र में मंच के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री देवेंद्र जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनीष उपाध्याय, क्षेत्रीय संयोजक राजीव डंडोतिया, प्रांत संयोजक रविकांत बदौरिया और संभागीय संगठन मंत्री अजय बरुआ विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस नियुक्ति पर महेंद्र साहू, वंदना कुम्भारे, जिला संयोजक राजू तुमराम, श्रीमती नीतू चढ़ोकार, गौरव भालेकर, विजय खातरकर, योग वेदांत समिति के जिला अध्यक्ष राजेश मदान, बंटी आरसे व अन्य ने बधाई दी है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

चिचोली, देशबन्धु। विकास खण्ड चिचोली में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरीकरण माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विकास खण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया और जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी चिचोली डॉ राजेश अतुलकर ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है और इसके साथ ही 11 जुलाई से 11 अगस्त तक जनसंख्या स्थिरीकरण माह के रूप में अभियान संचालित किया जाता है। चिकित्सालय चिचोली में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ राजेश अतुलकर के निर्देशन में डॉ संदीप धुर्वे, ब्लॉक एक्सटेंशन एजुकेटर अनिल उईके, बीपीएम एकनाथ ठाकुर, बीसीएम विनीत आर्य, एमटीएस पंकज डोंगरे सहित कार्यालयीन और मैदानी कर्मचारियों ने सहभागिता की।

मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक आज, होगी चर्चा

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक आज 12 जुलाई को दोपहर 12 बजे लिंक रोड स्थित कैंपेन हाउस में आयोजित की गई है।एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष बीपी धामोढ़े ने बताया कि हाल ही में जबलपुर में आयोजित प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी इस बैठक में दी जाएगी। बैठक में महंगाई राहत से संबंधित धारा 49(6) तथा पेंशन एर्स्क्रो गारंटी के संबंध में शासन से की जा रही मांग पर चर्चा होगी। इस संदर्भ में एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.के. जयसवाल एवं अन्य पदाधिकारी 20 जुलाई को ग्वालियर में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से भेंट कर विषय की गंभीरता से अवगत कराएंगे। इसके अतिरिक्त पेंशन कम्युटेशन की अवधि को लेकर फैली भ्रांतियों, इंदौर उच्च न्यायालय के निर्णय की वास्तविक स्थिति, 79 वर्ष की आयु में 20 प्रतिशत पेंशन वृद्धि, आठवें वेतन आयोग में पेंशनर्स को संभावित सुविधाएं, लंबित भुगतान, कैशलेस चिकित्सा बीमा पर चर्चा होगी।

मुख्य चौराहों पर बिना अनुमति लगाए यूनिपोल पर विवाद , 25 लाख की जगह 6 लाख में किया अनुबंध

मनमर्जी: न टेंडर हुए, न ही ली कोई एनओसी?

बैतूल, देशबन्धु। शहर के प्रमुख चौराहों पर अवैध रूप से लगाए गए यूनिपोल को लेकर कलेक्टर से शिकायत की गई है। नगर पालिका ने शहर में 91 होर्डिंग लगाने का अनुबंध प्रिंटिंग टास्क के संचालक हितेश ठाकरे से किया था। इस अनुबंध में निविदा नियम क्रमांक 09 का उल्लंघन किया गया है। नियम के अनुसार जहां फर्म से 25 लाख रुपये की राशि जमा कराई जानी चाहिए थी, वहीं नगर पालिका ने मात्र 6 लाख रुपये लेकर अनुबंध कर दिया। शिकायतकर्ता आशीष साहू, अनिल सिंह ठाकुर, दीपक गुल्हाने, राजेश आर्य, जावेद खान, प्रमेश राजपूत और अब्दे अली ने बताया कि बैतूल नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत जेएच कॉलेज चौक, बस स्टैंड कोठी बाजार, कारगिल चौक, गंज रसोई के सामने और शिवाजी चौक जैसे मुख्य स्थानों पर अवैध रूप से यूनिपोल विज्ञापन लगाए गए हैं।

इन यूनिपोल को लेकर न तो नगर पालिका द्वारा कोई वैध टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई है और न ही पीडब्ल्यूडी विभाग से किसी प्रकार की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त की गई है।

शिकायतकर्ताओं ने इस पूरे मामले को नगर पालिका की लापरवाही और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला करार दिया है। ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टर से मांग की गई कि नगर पालिका सीएमओ को आदेशित किया जाए कि वे इन अवैध यूनिपोल को हटवाएं। साथ ही फर्म से नियम अनुसार शेष राशि 25 लाख रुपये की वसूली भी सुनिश्चित करवाई जाए। ज्ञापन देने वालों में कुमुद पंवार, राजेश पंवार, नमन वर्मा, बबलू साहू, कपिल धामोड़े, दुर्गेश पोटफोड़े शामिल रहे। ज्ञापन की प्रतिलिपि बैतूल विधायक एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को भी भेजी गई है।

समिति ने जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में बढ़ाया सहयोग का हाथ

कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को नि: शुल्क शैक्षणिक सामग्री वितरित

बैतूल, देशबन्धु। सामाजिक जन कल्याण समिति ने जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग का हाथ बढ़ाया है। 11 जुलाई को समिति द्वारा शासकीय नवीन प्राथमिक शाला सदर चौक बैतूल में कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को निशुल्क कापी, पेन, पेंसिल, रबर, कटर जैसी शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। समिति की इस पहल से विद्यालय में पढ़ रहे गरीब व जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ाई में सहयोग मिला।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधान पाठिका श्रीमती संगीता सिसोदिया, प्राथमिक शिक्षिका योगिता पांसे एवं प्रा. शिक्षिका गायत्री धुर्वे की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सामाजिक जन कल्याण समिति के अध्यक्ष सूरजलाल मंडलेकर सहित समिति के अन्य सदस्य मानिकराव कापसे, ओ.पी. चंदेल, शेसराव वाईकर, नत्थूप्रसाद चौकीकर, अजाबराव भूमरकर, पांडुरंग वरवड़े, डी.आर. झरबड़े, रामदास पंडागरे, एन.के. मांडवे, संजय जौंजारे, कृष्णाराव उबनारे, मानकप्रसाद वाईकर, रघुनाथ चौरासे, बाबूराव शेषकर, पंजाबराव अतुलकर, पंजाबराव भालेकर, रायमल वरवडे, द्वारकाप्रसाद बिसन्द्रे, रामभरोस पूर्वे, नत्थू कापसे, मीडिया प्रभारी रामदास पाटिल, बुधराम वाईकर, रामशंकर आवलेकर, सरजेराव पाटिल आदि भी उपस्थित रहे।

सत्य का साक्षात्कार है चार आर्य : डॉ. डोंगरे

बैतूल, देशबन्धु। गुरु पूर्णिमा और आषाढ़ पूर्णिमा के मौके पर ग्राम सोनाघाटी का नागसेन बौद्ध विहार श्रद्धा और आस्था से भर गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में उपासक-उपासिकाएं विहार पहुंचे और भगवान बुद्ध व डॉ. आंबेडकर को नमन करते हुए त्रिशरण और पंचशील का पाठ किया। बौद्ध परंपरा के इस खास दिन पर गांव के लोगों के साथ-साथ क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। बुद्ध वाणी, दीप प्रज्वलन और धम्म देशना के बीच पूरे परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान बुद्ध और भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं के समक्ष मोमबत्ती प्रज्ज्वलन व पुष्प अर्पण से हुआ। मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत कढ़ाई की सरपंच पुष्पा झरबड़े के साथ डॉ. सुखदेव डोंगरे, डॉ. पंजाबराव सोनारे, प्रो. अर्चना सोनारे, शिक्षिका भागरती डोंगरे, सुशीला बामने, हेमंत पालीवाल, नंदकिशोर बामने, डी.एच. मासोदकर और टुकडू जावलकर ने धम्म ध्वज फहराकर समारोह की विधिवत शुरुआत की। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बुद्ध के प्रथम उपदेश धम्म चक्क पवत्तन सुत्त को सरल भाषा में समझाते हुए चार आर्य सत्यों दु:ख, दु:ख का कारण, दु:ख निरोध और दु:ख निरोधगामी अष्टांगिक मार्ग का व्यापक विवेचन किया। उन्होंने सम्यक दृष्टि से सम्यक समाधि तक के आठ सोपानों को दैनिक जीवन में उतारने का आह्वान किया।

जिंदगी से जब मुलाकात होती तब बोलता है भीतर का सन्नाटा

बैतूल, देशबन्धु। जब जिंदगी की दौड़ में कुछ पल ठहरकर खुद से मुलाकात होती है, तो भीतर का सन्नाटा भी बोल उठता है। यही सन्नाटा अल्पविराम कहलाता है, जो व्यक्ति को भीतर झांकने, समझने और आत्मनिरीक्षण का अवसर देता है। भीमपुर विकासखंड के सिमोरी गांव में ऐसा ही अनुभव मिला, जब आमजन और शासकीय सेवकों ने आनंद विभाग की इस पहल के ज़रिए स्वयं से संवाद किया, रिश्तों को टटोला और भीतर की भावनाओं से परिचय किया।

सिमोरी में एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यक्रम का आयोजन आनंद विभाग द्वारा किया गया। यह आयोजन कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत के सभागृह में हुआ, जिसमें 55 ग्रामीण और 18 शासकीय कर्मचारियों ने भाग लिया। इस विशेष अवसर पर आनंद विभाग बैतूल की टीम से जिला संपर्क व्यक्ति महेश गुंजेले, मास्टर ट्रेनर रेखा कापसे, तुलिका पचौरी, कहानीकार एवं साहित्यकार दिनेश दीक्षित, डॉ. सरिता डेहरिया, डॉ. युवराज सूर्यवंशी, डॉ. रजनी बड़ोदे, डॉ. रवीना लहरपुरे, आनंद सहयोगी आशीष पचौरी और शैलेन्द्र बिहारिया मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान डॉ. सरिता डेहरिया ने अपनी व्यक्तिगत शेयरिंग से सत्र को भावनात्मक स्पर्श दिया।

मास्टर ट्रेनर तुलिका पचौरी ने हमारे रिश्ते सत्र में विभिन्न संबंधों की गहराई को समझाया। आनंद सहयोगी आशीष पचौरी ने फ्रीडम ग्लास विषय पर चर्चा करते हुए अपने भीतर के लोभ, ईर्ष्या, क्रोध जैसे भावों को साझा किया और सबको अपने भीतर झांकने के लिए प्रेरित किया।

कहानीकार दिनेश दीक्षित ने संबंधों की गहराई पर दो प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाया। वहीं डॉ. युवराज सूर्यवंशी ने आधुनिक जीवन की आपाधापी में आंतरिक संतुलन और शांति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए अल्पविराम को अत्यंत उपयोगी बताया।

निरंतर अध्ययन और जिज्ञासा ही सफलता की कुंजी : विनय गंगारे

◆ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मिले पुरस्कार

बैतूल, देशबन्धु। गांवों में शिक्षा की अलख जगाने वाले संगठनों की बदौलत अब नन्हे बच्चों को भी मंच मिल रहा है, जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। एक प्रयास सेवा समिति द्वारा ग्राम हरदू स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को समिति द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के संस्थापक और लेखक विनय गंगारे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए सरल शब्दों में शिक्षा, आत्मविश्वास और परीक्षा की महत्ता को समझाया। उन्होंने बताया कि पढ़ाई से डरने की नहीं, दोस्ती करने की जरूरत है। जिज्ञासु और निरंतर सीखते रहने वाले विद्यार्थी ही जीवन में सफलता पाते हैं।

गांवों में शिक्षा की अलख जगाने की पहल : विद्यालय की प्रधान पाठक अनीता धुर्वे ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान ही वह माध्यम है जिससे बच्चे अपने जीवन की दिशा तय कर सकते हैं।

उन्होंने एक प्रयास सेवा समिति का आभार जताते हुए कहा कि गांवों में शिक्षा की अलख जगाने का यह कार्य सराहनीय है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक छोटेराम उइके, प्यारेलाल धुर्वे और ऋषभ जितपुरे उपस्थित रहे। इन शिक्षकों ने बच्चों को जीवन में लगातार मेहनत करते रहने और ज्ञान अर्जित करने की प्रेरणा दी।

आशीष पंवार बने रिप्रेजेंटेटिव

बैतूल, देशबन्धु। रियल स्टेट डेव्हलपर्स की प्रमुख संस्था क्रेडाई की एमपी इकाई के द्वारा 10 जुलाई को इंदौर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्रेडाई एमपी बॉडी द्वारा अलग-अलग जिलों में रिप्रेजेंटेटिव नियुक्त किए गए। इसमें बैतूल क्रेडाई अध्यक्ष संदीप सोनी एवं सेक्रेटरी जीवेश पंडागरे की अनुशंसा पर आशीष पंवार को एमपी क्रेडाई में बैतूल चैप्टर के रिप्रेजेंटेटिव नियुक्त किया गया। उनकी इस नियुक्ति पर शुभचिंतकों, परिजनों, इष्टमित्रों, सामाजिक बंधुओं ने उन्हें बधाई दी है। गौरतलब है कि रियल स्टेट डेव्हलपर्स के क्षेत्र में शामिल बिल्डर को आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए यह संस्था प्रयास करती है।

गुरु पूर्णिमा गाये पुराने दिलकश गीत, छा गए

आठनेर, देशबन्धु। नगर के गायकवाड म्यूजिक क्लासेस में गुरु पूर्णिमा के पर्व को संगीत के साथ धूमधाम से मनाया सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर गायकवाड म्यूजिक क्लास के संचालक एवं पत्रकार विनोद गायकवाड का पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सूरज राठौर द्वारा अंग वस्त्र एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। गुरु पूर्णिमा के इस संगीतमय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिलीप जगताप शिक्षक का भी अंग वस्त्र एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। संगीत के इस कार्यक्रम में कलाकारों ने भाव विभोर कर देने वाले गीत गाकर अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा जिसमें गायको ने शमां बांध दिया गायको में सूरज राठौर, प्रमोद गायकवाड, निर्मल विश्वास ने किशोर कुमार के हम बेवफा हरगिज़ न थे, विजय गायकवाड़ ने वो हंसिनी कहां चली,खलील महाराज ने जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया तथा गुरुर्र ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरा देवेंद्र जावलकर ने पत्ता पत्ता बूटा बूटा और आजकल याद कुछ और रहता नहीं प्रमोद गायकवाड़ ने जिंदगी के सफर में गुजर जाते हैं तथा संगीत जगत में उभरते बाल कलाकार साई जगताप ने गुरु गोविंदा गुरु की महिमा गाकर उपस्थित लोगों को मंत्र मुक्त कर दिया । इस अवसर पर संगीत क्लास से जुड़े छात्र-छात्राओं के अलावा भोजराव लोखंडे मदन आजाद पत्रकार मुकेश सोनी आशीष धोटे रवि मोहड पत्रकार ऋषभ अवस्थी शैलेश गायकवाड शिवदास इवने मुकुल मगरदे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्रमोद गायकवाड़ ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए धन्यवाद दिया।

अच्छी खबर: स्वच्छता को बढ़ावा देने सैनिटरी पैड बैंक की शुरुआत

मासिक धर्म में शर्माना क्यों, इसके लिए सबको जगाना है

बैतूल, देशबन्धु। जिले में महिलाओं और किशोरियों के मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ते हुए एक नई पहल की शुरुआत हुई है। यह पहल स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है, समाज में जागरूकता की अलख भी जगा रही है। ग्राम सिमोरी में सैनिटरी पैड बैंक अपनाओ स्वच्छता लाओ, जागरूकता फैलाओ इनाम पाओ योजना के शुभारंभ के साथ एक ऐसा अभियान शुरू हुआ है जो ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं और किशोरियों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने की क्षमता रखता है।

योजना का उद्देश्य खासकर आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण इलाकों की महिलाओं और लड़कियों को स्वच्छता उत्पादों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मासिक धर्म स्वच्छता बैंक की स्थापना की गई है।

इस मौके पर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। डॉक्टर सरिता डहेरिया ने इस अवसर पर मासिक धर्म स्वच्छता के विषय पर खुलकर चर्चा की और उपस्थित महिलाओं को इसके वैज्ञानिक पक्षों से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि मासिक धर्म कोई बीमारी नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे छिपाने की बजाय स्वाभाविक रूप से अपनाना चाहिए।

चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी शैलेंद्र बिहारिया ने निजी व्यय से जरूरतमंद महिलाओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए। इस सराहनीय पहल की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में जनशिक्षक प्रीतमसिंह मरकाम, सामाजिक कार्यकर्ता सुधाकर पाटणकर, ममता गौहर, राधिका पटिया सहित स्कूली बाल कैबिनेट की प्रधानमंत्री भावना कुमरे भी उपस्थित रहीं। इस योजना के माध्यम से स्कूलों और ग्राम सभाओं में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि मासिक धर्म जैसे संवेदनशील मुद्दे पर खुलकर चर्चा हो और इसके प्रति समाज का नजरिया बदले। मासिक धर्म स्वच्छता बैंक न केवल सैनिटरी पैड, टैम्पोन या अन्य उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, बल्कि नियमित कार्यशालाओं, सेमिनारों और सूचना सामग्री के जरिये लोगों को शिक्षित भी करेगा।

मुख्यमंत्री उज्जैन में समर्पण कावड़ यात्रा में हुए शामिल

कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के साथ होगी माकूल व्यवस्थाएं

कावड़ यात्रियों का पुष्प-वर्षा कर किया स्वागत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ अनुकूल व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित की जा रही है। इस संबंध में निर्देश जारी किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन त्रिवेणी शनिमंदिर से कावड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कावड़ यात्रियों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कावड़ का पूजन कर कावड़ उठाई और अग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संत उत्तम स्वामी के साथ पैदल चलकर कावड़ यात्रा का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी त्यौहार उत्साह के साथ मनाने की परम्परा राज्य सरकार ने शुरू की है। ईश्वर और संतजन के आशीर्वाद से उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियाँ तेजी से की जा रही है। हम इस सोच के साथ सभी तैयारियां कर रहे है कि वर्ष-2028 के बाद यदि प्रतिवर्ष सिंहस्थ जैसे आयोजन हों तो किसी प्रकार की समस्या न आये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन में संतों के लिये आश्रम और अन्य व्यवस्थाओं को जुटाने के लिये सिंहस्थ धार्मिक सिटी का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में उज्जैन आने वाले श्रृद्धालुओं के लिये सुविधाजनक व्यवस्था सुनिश्चित होंगी।

कावड़ यात्रा मे विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, संजय अग्रवाल, पूर्व विधायक राजेंद्र भारती, तपन भौमिक और संतों सहित बड़ी संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बताया जल का महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कावड़ यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में कई संस्कृतियाँ हैं, दुनिया में तो 194 देश है लेकिन कोई देश अपने कोई भी शुभ काम प्रारंभ करने के लिए जल के माध्यम से कोई संकल्प नहीं लेता है। भारतीय संस्कृति जल ही जीवन की संस्कृति और जीवन जीने की पद्धति रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ईश्वर की कृपा से हम हजारों सालों से जल के गुणों से परिचित हैं।

मुख्यमंत्री कल से दुबई और स्पेन की यात्रा पर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नेतृत्व क्षमता ने मध्यप्रदेश को बीते कुछ महीनों में वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक नया स्थान दिलाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले साल नवंबर, दिसंबर में यूके, जर्मनी और इस वर्ष जनवरी में जापान जैसे देशों में प्रदेश की निवेशक फ्रेंडली नीतियों से रूबरू कराते हुए न केवल निवेशकों से परिणाममूलक संवाद किए बल्कि उन देशों की औद्योगिक ताकत को समझते हुए प्रदेश में निवेश के सार्थक अवसर तलाशे। हेल्थ टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, यूनिवर्सिटी लिंकेज, इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में हुई सकारात्मक वातावरण की बदौलत अब विभिन्न परियोजनाओं के रूप में धरातल पर आने लगे हैं। प्रदेश में वर्ष 2025 उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 से 19 जुलाई को दुबई और स्पेन की यात्रा पर रहेंगे। यह दौरा मध्यप्रदेश की वैश्विक निवेश रणनीति में महत्वपूर्ण कदम होगा। दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेश को लेकर इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल कॉउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ प्रमुख बैठक प्रस्तावित है, जहां मध्यप्रदेश की औद्योगिक तैयारियों और निवेश नीति को लेकर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई में कार्यरत लुलु इंटरनेशनल ग्रुप, लैंडमार्क ग्रुप और नखील ग्रुप जैसे अंतर्राष्ट्रीय रिटेल और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय वार्ता करेंगे, जिनमें प्रदेश में लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउस, रिटेल चेन और निवेश संबंधी अन्य सहयोग पर विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई के बाद 16 से 19 जुलाई तक स्पेन के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव बार्सिलोना में स्पेन की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों और ग्रीन मोबिलिटी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे निवेशकों के साथ महत्वपूर्ण संवाद करेंगे। बार्सिलोना में होने वाली बैठकों में टेक्सटाइल, गारमेंट और डिजाइन सेक्टर की अग्रणी कंपनियों से भी चर्चा की जाएगी। इन निवेश यात्राओं की खास बात है कि निवेश पर रणनीतिक संवादों की प्रमुखता रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्देश्य निवेश के ज़रिए न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है, बल्कि युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ना भी है। यूके से लेकर जापान और अब दुबई से लेकर स्पेन तक मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह सतत प्रयास मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश केंद्र बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी संकल्प का प्रमाण है।

दिग्विजय ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मूंग खरीदी में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाए

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मूंग खरीदी में आ रही दिक्कतों को दूर करने की मांग की है। दिग्विजय सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश में मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर खरीदी के संबंध में कुछ समस्या आ रही हैं।

श्री सिंह ने खरीदी हेतु वेयरहाउस मैपिंग में पारदर्शिता एवं स्लॉट बुकिंग शीघ्र प्रारम्भ करने के संबंध में अनुरोध किया है। उन्होंने मांग की है कि खरीदी केंद्रों का आवंटन पूर्णत: पारदर्शी एवं नियमों के अनुरूप किया जाए। किसानों को उनके गांव अथवा निकटतम वेयरहाउस में मैपिंग की सुविधा प्रदान की जाए, जिससे परिवहन लागत में कमी आए। कांग्रेस नेता ने मांग की है कि खरीदी केन्द्रों की संख्या पर्याप्त रखी जाए एवं सभी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाए, ताकि तुलावटी कार्य शीघ्रता से हो सके। उन्होंने कहा है कि सभी पंजीकृत किसानों के लिए तत्काल स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए, जिससे मूंग की बिक्री सुचारू रूप से प्रारम्भ हो सके। राज्य में मानसून सक्रिय है और मूंग खरीदी का दौर जारी है, ऐसे में समस्या न आए, इसके लिए किसानों को बेहतर इंतजाम की उम्मीद है।

उज्जैन में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन आज

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा लक्ष्य मछुआ समाज को सम्मान देने के साथ ही तकनीकी नवाचार, सुरक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है। मध्यप्रदेश अब नीलक्रांति की दिशा में पूरे देश के लिए प्रेरणा बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में उज्जैन में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन 12 जुलाई शनिवार को आयोजित होगा। यह आयोजन मछुआ समाज को सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों को और भी मजबूती देगा। मछुआ समुदाय की सामाजिक समरसता और आधुनिक मछली पालन की दिशा में यह सम्मेलन ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार, उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सीता राम बाथम की मौजूदगी में मछुआरों को हितलाभ वितरण और अनेक सौगातें दी जाएंगी।

लखनऊ में मानव तस्कर गिरोह पकड़ाया, 15 लड़कियों का अब तक कर चुका है सौदा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कृष्णानगर पुलिस ने मानव तस्करी में लिप्त गिरोह के 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मध्यप्रदेश के से गिरोह के सरगना शहडोल निवासी संतोष साहू और राजस्थान के साकेतनगर निवासी मनीष भंडारी पकड़ा है। यह गिरोह पिछले 12 साल से लड़कियों को शादी और अनैतिक कार्यों के लिए बेचने का अवैध काम कर रहा था। आरोपियों के कब्जे से रायबरेली निवासी एक किशोरी सहित 2 किशोरियों को बरामद किया है।

डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल के अनुसार गिरोह अकेली और भटकी हुई किशोरियों को निशाना बनाता था। ये लोग चारबाग रेलवे स्टेशन और आलमबाग बस स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में अकेली लड़कियों पर नजर रखते थे। संतोष पुलिस की खबर लगते ही वो मोबाइल बदल लेता था। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने 12 साल में 15 से ज्यादा लड़कियों को बेचा। एक लड़की को शादी या अनैतिक कार्यों के लिए 50 हजार से लेकर 2.75 लाख रुपये तक में आरोपियों ने बेचा था।

मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी की बेटी को भी नहीं छोड़ा

दरअसल मामले का खुलासा उस समय हुआ जब कृष्णानगर में रहने वाले एक मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात निजी सुरक्षा अधिकारी की 16 वर्षीय बेटी 28 जून को घर से गायब हो गई। जिसमें उसने पिता को वॉइस मेसेज भेजा था, जिसमें कहा, पापा, मुझे मत खोजना, मैं भगवान के पास जा रही हूं। उसकी गुमशुदगी की शिकायत 30 जून को कृष्णानगर थाने में दर्ज हुई। छानबीन में पता चला कि किशोरी मथुरा में प्रेमानंद से मिलने की इच्छुक थी। संतोष ने उसकी धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाकर उसे झांसे में लिया और चारबाग रेलवे स्टेशन पर बुलाया। इसके बाद मथुरा ले जाने के बहाने कानपुर और फिर प्रयागराज अपने घर ले गया। वहां से किशोरी को मनीष भंडारी को 50 हजार रुपये में बेच दिया। हालांकि, किशोरी के रोने और पकड़े जाने के डर से मनीष ने उसे रखने से मना कर दिया और 45 हजार रुपये वापस लेकर किशोरी को संतोष को सौंप दिया।

किशोरी को तलाशने पुलिस की छह टीमें गठित की गई। पुलिस ने 8 जुलाई को किशोरी को बरामद कर लिया। किशोरी ने आपबीती के आधार पर गुरुवार को संतोष और मनीष को गिरफ्तार किया गया। संतोष के पास से रायबरेली की एक अन्य किशोरी भी बरामद हुई, जिसके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

संतोष पर लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, छत्तीसगढ़ और प्रतापगढ़ में 6 एफआईआर दर्ज हैं, जबकि मनीष पर 2 केस दर्ज हैं. संतोष केवल तीसरी कक्षा तक पढ़ा है, जबकि मनीष ने आठवीं तक पढ़ाई की है और वह ट्रेवेल्स में गाड़ी भी चलाता था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दी आंदोलन की चेतावनी

गजराज के परिवार को खोजे सरकार

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अशोकनगर के मुंगावली में गजराज लोधी के परिवार सहित 14 दिन से लापता होने का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस परिवार को सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं लाया गया तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। उन्होंने आज मीडिया से चर्चा करते हुए गजराज के परिवार सहित गुमशुदगी को लेकर उठाए गंभीर सवाल उठाए। पटवारी ने अपहरण या हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि सरकार स्पष्ट रूप से जवाब दे और लापता परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने लाए।

श्री पटवारी ने कहा, 'गजराज लोधी ने खुद बताया था कि उनके साथ मारपीट हुई, उन्हें मल खिलाया गया, मोटरसाइकिल छीनी गई, धमकाया गया। इसके वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। वह लगातार 15 दिनों तक प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटते रहे, न्याय की गुहार लगाते रहे, लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी। जब मैंने इस घटना की ओर सरकार का ध्यान दिलाया, तो सरकार की तानाशाही इतनी बढ़ गई कि मुझ पर ही एफआईआर दर्ज करवा दी गई। पीड़ित को न्याय नहीं मिला, बल्कि उसे अपराधी बना दिया गया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि कांग्रेस इस मामले को अब यूं ही दबने नहीं देगी। यदि सरकार ने तत्काल कोई कदम नहीं उठाया, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी।

सीएससी कार्यशाला में बोले मंत्री सारंग

डिजिटल ट्रांजेक्शन में भारत देश एक नम्बर पर

भोपाल, देशबन्धु। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर जहां एक ओर लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है, वहीं इसके माध्यम से युवाओं को रोजगार के साधन भी उपलब्ध हो रहे है। देश के विकास में सरकार के लिये गये निर्णयों में सीएससी का गठन सबसे अग्रणीय निर्णय रहा। आज भारत देश डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में नम्बर एक पर है। मंत्री श्री सारंग ने यह बात सीएससी दिवस के उपलक्ष्य में आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित कार्यशाला में कहीं। इस अवसर पर सीएससी के राज्य प्रमुख अतुलित राय भी उपस्थित थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास और कल्याण के कार्य किये जा रहे है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पारदर्शिता के साथ योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है, इसमें बीएलई की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर व्यक्ति में ईमानदारी और कर्तृत्व्य बोध है, इसे जगाने की जरूरत है। मंत्री श्री सारंग ने सुझाव दिया कि सीएससी में सुझाव और शिकायत की भी व्यवस्था हो और वर्ष में सीएससी में परफॉर्मेंस और उनके व्यवहार के आधार पर अवार्ड दिया जाए। उज्जैन, अशोकनगर, डिण्डोरी, दमोह, पन्ना, छिंदवाड़ा के एक-एक बीएलई, छतरपुर, सिवनी, देवास के दो-दो कुल 12 बीएलई उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किये गये।

20 लाख नये हितग्राहियों को पात्रता पर्ची मिलेगी

भोपाल, देशबन्धु। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिये ई-केवायसी करवाई जा रही है। गत 5 माह में एक करोड़ से अधिक हितग्राहियों की ई-केवायसी कराई जा चुकी है और अब लगभग 20 लाख नवीन पात्र हितग्राहियों को पात्रता पर्ची दी जा सकेगी। इन नवीन हितग्राहियों को पात्रता पर्ची जारी करने के लिये विंडो ओपन किया जा रहा है।

आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने जानकारी दी है कि प्रदेश की लगभग 27 हजार उचित मूल्य दुकानों पर लगाई गई पीओएस मशीन से पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी करने की व्यवस्था के अतिरिक्त वृद्ध, बच्चों के तथा हितग्राही द्वारा घर बैठे ई-केवायसी करने की सुविधा भारत सरकार के मेरा ई-केवायसी एप से फेस एथेंटिकेशन द्वारा करने की सुविधा दी गई है। सभी हितग्राहियों को ई-केवायसी कराने के लिये प्रतिमाह 2 से 3 बार एसएमएस किए गए। उचित मूल्य दुकानो पर इस संबंध में सूचना प्रदर्शित की गई। ई-केवायसी करने विशेष अभियान चलाया गया? अभियान के तहत ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों की सूची स्थानीय निकाय, खाद्य विभाग एवं जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई गई। ग्राम एवं मोहल्ले में कैम्प लगाए गए। दिव्यांग/वृद्ध की घर-घर जाकर ई-केवायसी की गई। कैम्प में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग/नगरीय निकाय के अमले को लगाया गया। हितग्राही के ग्राम में ही पीओएस मशीन के माध्यम से ई-केवायसी किए गए।

मिसेज इंडिया एम्प्रेस ऑफ द नेशन 2025 हिमानी बोलीं

सपने की कोई उम्र नहीं, जरूरत है जुनून और आत्मविश्वास की

भोपाल, देशबन्धु। सपनों की कोई उम्र नहीं होती, परिवार की जिम्मेदारियों के साथ भी आप अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। जरूरत सिर्फ जुनून और आत्मविश्वास की है। यह कहना है भोपाल की फिटनेस ट्रेनर और हाल ही में पुणे के हयात होटल में आयोजित ब्यूटी पेजेंट कॉम्पिटीशन में मिसेज इंडिया एम्प्रेस ऑफ द नेशन 2025 का खिताब जीतने वाली हिमानी सिंह का।

उन्होंने पत्रकार वार्ता अपनी इस यात्रा पर विस्तार से बात की। हिमानी ने इस उपलब्धि को खास बताते हुए कहा कि एक साल पहले ही उन्होंने मिसेज मध्यप्रदेश का खिताब जीता था, जिससे उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ा। हिमानी ने बताया कि मेरे लिए यह यात्रा आसान नहीं रही। मैंने अपनी फिटनेस ट्रेनिंग के साथ-साथ ब्यूटी पेजेंट की तैयारी की और खुद को हर स्तर पर साबित किया। इस यात्रा में मुझे परिवार का भरपूर सहयोग रहा, जिसके बिना यह सफलता संभव नहीं हो पाती। हिमानी ने कहा, मेरे परिवार का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे, जिन्होंने मुझे हर कदम पर प्रेरित किया। हिमानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 29 जून को पुणे में किया गया। इसमें बॉलीवुड अभिनेता तनिषा मुखर्जी और रोहित रॉय बतौर सेलिब्रिटी जज शामिल हुए। इसमें देश-विदेश के कुल 53 प्रतिभागी शामिल हुए। एक के बाद एक हुए राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हिमानी ने गोल्ड कैटेगरी में खिताब जीता। प्रतियोगिता के विभिन्न दौरों में उन्हें रैम्प वॉक, इंटरव्यू और प्रश्नोत्तर राउंड से गुजरना पड़ा, जिनमें उन्होंने आत्मविश्वास और संवाद शैली के बल पर जीत हासिल की। इस अवसर पर द पेजेंट इंडिया कंपनी की मध्यप्रदेश चैप्टर की प्रमुख फराह अनवर, कला विशेषज्ञ हरिओम जटिया और दानिश मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश का नाम रोशन करना है

हिमानी ने बताया कि वह अब केवल खुद को ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश को भी गर्व महसूस कराना चाहती हैं। उनका सपना सिर्फ अपने राज्य को गर्व महसूस कराना नहीं है, बल्कि देश और दुनिया में मध्यप्रदेश का नाम रोशन करना है। हिमानी ने कहा कि अब उनका अगला लक्ष्य इंटरनेशनल प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करना है। इस अवसर पर फराह अनवर ने कहा कि हिमानी की यह जीत न केवल उनकी मेहनत का फल है, बल्कि हर महिला के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हिमानी ने साबित किया है कि सही दिशा और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

महिला उत्पीड़न को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित करना चाहिए

भोपाल, देशबन्धु। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2013 में लागू किया गया। इस कानून में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम पॉश 2013) महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी और मजबूत कानूनी संरचना के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि पॉश अधिनियम महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। पुलिस विभाग इसे केवल कानून प्रावधान नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में देखता है। कार्यस्थल पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित करना चाहिए। सुश्री मिश्रा आज मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा पं. सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षण संस्थान में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013 पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में नियुक्ति के समय महिलाओं के साथ पुरूषों का भी ओरिएंटेशन किया जाना चाहिए। सुश्री मिश्रा ने कहा कि पॉश अधिनियम का उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करना, उत्पीड़न की घटनाओं को रोकना और समुचित समाधान की प्रक्रिया उपलब्ध कराना है। सुश्री मिश्रा ने कहा कि कार्यस्थल पर गठित समिति को देखना चाहिए कि पॉश अधिनियम का दुरूपयोग न किया जा रहा हो।

पुलिस उप महानिरीक्षक विनीत कपूर ने कहा कि कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न दण्डनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि कार्यालय में उत्पीड़न समिति के सदस्यों का नाम नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से लिखा होना चाहिए। साथ ही कार्यालय में पारदर्शिता से कार्य, सीसीटीवी और शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना चाहिए। श्री कपूर ने कहा कि इस अधिनियम के तहत पीड़िता की पहचान को गोपनीय रखते हुए पूरे मामले की संवेदनशीलता के साथ जांच की जाती है। म.प्र. बाल संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती निशा सक्सेना ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिला कर्मचारियों को पॉश अधिनियम के प्रति जागरूक करना है। राज्य महिला आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने कहा कि पॉश अधिनियम की जानकारी सभी कर्मचारियों को देना संस्थानों की जिम्मेदारी है।

कार्यशाला में सुफल सर्व उत्थान फॉर आर्ट, लाइफ एण्ड कल्चर वेलफेयर सोसायटी की श्रीमती भावना त्रिपाठी ने कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न, निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स विश्व धरोहर के लिए नामित

दुनिया के 31 अन्य स्थलों के साथ होगा मूल्यांकन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 'मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने के लिए नामांकित किया गया है। इस प्रस्ताव का मूल्यांकन 6 से 16 जुलाई के बीच पेरिस में चल रहे यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) के 47वें सत्र में किया जा रहा है।

इस सत्र में दुनिया भर से कुल 32 नए स्थलों के नामांकन पर चर्चा की जा रही है, जिनमें भारत का यह ऐतिहासिक सैन्य तंत्र भी शामिल है। भारत की ओर से यह नामांकन 2024-25 चक्र के लिए प्रस्तुत किया गया है। इन 12 स्थानों में महाराष्ट्र का साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़, खांदेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु का जिन्जी किला शामिल है। इन किलों को देश के कई भौगोलिक और प्राकृतिक क्षेत्रों में इस तरह से बनाया गया था कि वे मराठा शासन की सैन्य ताकत को दर्शाते हैं। इनमें पहाड़ी क्षेत्रों, समुद्र के किनारे और अंदरूनी मैदानों पर बने किलों का अनोखा संगम देखने को मिलता है। विश्व धरोहर समिति की बैठक में 11 से 13 जुलाई के बीच 32 स्थलों की समीक्षा की जा रही है। भारत के इस नामांकन के साथ-साथ कैमरून का डीआईवाई-जीआईडी-बीआईवाई सांस्कृतिक क्षेत्र, मलावी का माउंट मुलंजे सांस्कृतिक परिदृश्य, और यूएई का फाया पैलियोलैंडस्केप जैसे स्थलों पर भी चर्चा की जा रही है। इसके अलावा दो पहले से ही यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स की सीमाओं में संभावित बदलाव के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। अगर इस नामांकन को यूनेस्को की विश्व हेरिटेज सूची में स्थान मिलता है, तो यह भारत के लिए गर्व का विषय होगा। इससे इन ऐतिहासिक स्थलों की वैश्विक मान्यता बढ़ेगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, और इनके संरक्षण के प्रयासों को और गति मिलेगी।

क्या है मराठा मिलिट्री लैंड स्केप्स

मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स में 12 किले और किलेबंद क्षेत्र शामिल हैं जो 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच विकसित किए गए थे। यह किले मराठा साम्राज्य की सैन्य शक्ति, रणनीति और निर्माण कला का अद्भुत उदाहरण माने जाते हैं। यह किले न केवल सुरक्षा के लिए बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण थे। यूनेस्को के ऑपरेशनल गाइड लाइंस 2023 के अनुसार, हर देश एक बार में केवल एक ही नामांकन जमा कर सकता है। भारत ने इस चक्र के लिए मराठा मिलिट्री लैंड स्केप्स को चुना है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली * फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।